

بِسْمِ اللَّهِ الرَّحْمَنِ الرَّحِيمِ
مِنْهُمْ مَنْ كَلَّمَ اللَّهُ وَرَفَعَ بَعْضَهُمْ دَرَجَاتٍ وَأَتَيْنَا
عِيسَى ابْنَ مَرْيَمَ الْبَيْتَ وَأَيَّدْنَاهُ بِرُوحِ الْقُدُسِ
وَلَوْ شَاءَ اللَّهُ مَا أَفْتَلْنَا الَّذِينَ مِنْ بَعْدِهِمْ
مَنْ بَعْدَ مَا جَاءَتْهُمْ الْبَيِّنَاتُ وَلَكِنْ اخْتَلَفُوا
فِيهِمْ مَنْ آمَنَ وَمِنْهُمْ مَنْ كَفَرَ وَلَوْ شَاءَ اللَّهُ
مَا أَفْتَلْنَا وَلَكِنْ اللَّهُ يَفْعَلُ مَا يُرِيدُ ۝
يَا أَيُّهَا الَّذِينَ آمَنُوا اتَّقُوا اللَّهَ رَزَقَكُمْ مِنْ قَبْلِ أَنْ
يَأْتِيَ يَوْمٌ لَا بَيْعٌ فِيهِ وَلَا خُلَّةٌ وَلَا شَفَاعَةٌ ۚ
وَالْكَافِرُونَ هُمُ الظَّالِمُونَ ۝ اللَّهُ لَا إِلَهَ إِلَّا
هُوَ الْحَيُّ الْقَيُّومُ لَا تَأْخُذُهُ سِنَّةٌ وَلَا نَوْمٌ ۚ
لَهُ مَا فِي السَّمَوَاتِ وَمَا فِي الْأَرْضِ مَنْ ذَا الَّذِي
يَشْفَعُ عِنْدَهُ إِلَّا بِإِذْنِهِ ۚ يَعْلَمُ مَا بَيْنَ
أَيْدِيهِمْ

तिल्कर दुसुल ५६-६८ना अर-६८म
ये रसूल हैं के उमने उनमें अक को

अला अर-६ म मिन्हम मन कल्लमल्लाहु
दूसरे पर अकलल किया, उनमें किसीसे अल्लाहने कलाम
प र-५अ। अर-६८म ६-२जात
करमाया और कोई वो है जिसे सबपर दरजो पुलन्द किया,
प आतयना धसठना मर्यमल अय्यिनाति
और उमने मरियम के भेटे इसा को जुली निशानियां दी,
प अर्यदनाहु जि-रूहिल कुदुस
और पाकीजा रुह से उसकी मदद की,
प लप् शाअल्लाहु मकत-तलल लगीना
और अल्लाह याहता तो उनके बाद वाले आपसमें न लणते

मिम अर-६हिम मिम अर-६ि मा जअल्लमुल अय्यिनातु प
बाद इसके के उनके पास जुली निशानियां आ चुकीं व

लाकिनिज-त-लहू इ-मिन्हम मन आ-मना प मिन्हम मन इ-इर
लेकिन वो मुप्तलिइ हो गये, उनमें कोई ईमान पर रहा और कोई काफिर हो गया,

प लप् शाअल्लाहु मकत-तलू प लाकिन्नल्लाहा यइ-अलु मा
और अल्लाह याहता तो वो न लणते, मगर अल्लाह जो

युरीद ० यो अय्युहल लगीना आ-मनू अन्दिहू मिम्मा रमङ्गनाकुम
चाहे करे. अय ईमान वालो अल्लाह की राहमें उमारे दिअे मेंसे भर्य करो

मिन इहिल अय् यर-तिया यवमुल ला अय्ठिन हीहि पला जुल्लतुंप्
वो दिन आने से पेहले जिसमें न जरीदो इरोप्त है, न काफिरों के लिअे दोसती

पला शफाअह प पल काफिरून। हुमुज़् जालिमून ० अल्लाहु लो
और न शफाअत, और काफिर जुद ही जालिम हैं. अल्लाह है

धलाहा धल्ला हू ८ अल हय्युल इय्यूम ० ला तर-जुमुहू सि-नतुंप्
जिसके सिवा कोई मा'जूद नहीं, वो आप जिन्दा और औरोंका काईम रखनेवाला है, उसे न उध आये

पला नोम प लहू माफिस समापाति प माफिल अर्द प मन जल्लगी
और न नींद, उसीका है जो कुछ आसमानोंमें है और जो कुछ जमीन में, वो कौन है जो

यश्इउ धन्दहू धल्ला जि-धज़निह प यर-लमु मा अय्ना
उसके यहां सिफारिश करे वो उसके हुकम के, जानता है जो कुछ

أَيُّدِيهِمْ وَمَا خَلَقْنَاهُمْ وَلَا يُحِيطُونَ بِشَيْءٍ مِنْ
عِلْمِهِ إِلَّا بِمَا شَاءَ وَسِعَ كُرْسِيُّهُ السَّمُوتِ
وَالْأَرْضَ وَلَا يَئُودُهُ حِفْظُهُمَا وَهُوَ الْعَلِيُّ
الْعَظِيمُ ۝ لَا إِكْرَاهَ فِي الدِّينِ قَدْ تَبَيَّنَ الرُّشْدُ
مِنَ الْغَيِّ فَمَنْ يَكْفُرْ بِالطَّاغُوتِ وَيُؤْمِنْ بِاللَّهِ
فَقَدْ اسْتَمْسَكَ بِالْعُرْوَةِ الْوُثْقَى لَا انْفِصَامَ لَهَا
وَاللَّهُ سَمِيعٌ عَلِيمٌ ۝ اللَّهُ وَلِيُّ الَّذِينَ آمَنُوا
يُخْرِجُهُمْ مِنَ الظُّلُمَاتِ إِلَى النُّورِ وَالَّذِينَ كَفَرُوا
أُولَئِكَ اللَّهُمُّ الطَّاغُوتُ يُخْرِجُونَهُمْ مِنَ النُّورِ
إِلَى الظُّلُمَاتِ أُولَئِكَ أَصْحَابُ النَّارِ هُمْ فِيهَا
خَالِدُونَ ۝ أَلَمْ تَرَ إِلَى الَّذِي حَاجَّ إِبْرَاهِيمَ فِي
رَبِّهِ أَنْ أَنَا إِلَهُكَ اللَّهُ الْمَلِكُ إِذْ قَالَ إِبْرَاهِيمُ رَبِّي
الَّذِي يُنْحِي وَيُمِيتُ ۝ قَالَ أَنَا لُحْيٍ وَأُمِيتُ ۝

قال إبراهيم

مفلح

अय्दीहिम वमा ज़ल्हूम ८ वला
उनके आगे है और जो कुछ उनके पीछे, और
युहीतून। नि-शय्म भिन धल्मिही
वो नहीं पाते उसके धल्म मेंसे
धला निमा शाय् ८ वसिया।
मगर जितना वो था,े,
कुरसियुहुस समावाति वल अर्द ८
उसकी कुरसीमें समाये हुये हैं आसमान और जमीन,
वला यडिहुहू हिङ्गुहुमा ८ वहुवल
और उसे भारी नहीं धनकी निगेडबानी, और वोही है
अलिय्युल अज़्मीम ० लो धकराहा हिङ्ग
भुलन्द बनाईवाला। कुछ जबरदस्ती नहीं

दीन ५ इत तलय्यनर रुहु भिनल गय्य ८ इ-मंय् यङ्कुर भित
दीन में, भेशक भूष जुहा हो गई है नेक राह गुमराही से, तो जो

तागूति व यु-मिम भिल्लाहि इ-इदितम्सका भिल उर-वतिल
शैतानको न माने और अल्लाह पर धिमान लाये, उसने जणी मोडकम गिरह थाभी,
पुङ्क ३ लन्डिसामा लहा ५ वल्लाहु समीडिन अलीम ०
जिसे कभी भुलना नहीं, और अल्लाह सुनता जानता है।

अल्लाहु वलिय्युल लज़ीना आ-मनू ५ युज़्ज़िहुम भिनज़् जुलुमाति
अल्लाह वाली है मुसलमानों का, उन्हें अन्येयों से नूर की तरफ निकालता है,

धलन नूर ५ वल्लज़ीना इ-इरू अप्लियाडिहुमुत तागूतु ५ युज़्ज़िहु-नहुम
और काकिरोंके डिमायती शैतान हैं वो उन्हें

भिनन नूरि धलज़् जुलुमात ५ उलोयका अरहाजुन नार ८ हुम
नूर से अन्येरियों की तरफ निकालते हैं, यही लोग दोज्जवाले हैं, धन्हे

हीहा ज़ालिदून ८ अ-लम तरा धलल लज़ी हौज्ज। धज्जहीमा ही
हमेशा उसमें रहना। अय मडभूष क्या तुमने न देखा था उसे जो धिब्राहीम से जगणा

रज्जिही अन आताहुल्लाहुल मुल्क ५ धज़् ज़ाला धज्जहीमु
उसके रब् के भारे में, धसपर के अल्लाहने उसे ज़ादशाही दी, जबके धिब्राहीमने कडा के

रज्जियल लज़ी युहयी व युमीतु ५ ज़ाला अना उहयी व उमीत ५
मेरा रब् वो है के जिलाता और मारता है, जोला में जिलाता और मारता है,

قَالَ إِبْرَاهِيمُ فَإِنَّ اللَّهَ يَأْتِي بِالسَّمَسِ مِنَ الشَّرْقِ
فَأَتَتْ بِهَا مِنَ الْمَغْرِبِ فَبُهِتَ الَّذِي كَفَرَ
وَاللَّهُ لَا يَهْدِي الْقَوْمَ الظَّالِمِينَ ۝ أَوْ كَالَّذِي مَرَّ
عَلَى قَرْيَةٍ وَهِيَ خَاوِيَةٌ عَلَى عُرُوشِهَا قَالَ أَنَّى
يُحْيِي هَذِهِ اللَّهُ بَعْدَ مَوْتِهَا فَأَمَاتَهُ اللَّهُ مِائَةً
عَامٍ ثُمَّ بَعَثَهُ ۝ قَالَ كَمْ لَبِثْتُ ۝ قَالَ لَبِثْتُ يَوْمًا
أَوْ بَعْضَ يَوْمٍ ۝ قَالَ بَلْ لَبِثْتُ مِائَةً عَامٍ فَأَنْظُرْ
إِلَى طَعَامِكَ وَشَرَابِكَ لَمْ يَتَسَنَّهْ ۝ وَانْظُرْ إِلَى
حِمَارِكَ وَلِنَجْعَلَكَ آيَةً لِّلنَّاسِ وَانْظُرْ إِلَى
الْعِظَامِ كَيْفَ نُنشِرُهَا ثُمَّ نَكْسُوهَا عِطَاءً ۝ فَتَنَبَّأَ
لَهُ ۝ قَالَ أَعْلَمُ أَنَّ اللَّهَ عَلَى كُلِّ شَيْءٍ
قَدِيرٌ ۝ وَإِذْ قَالَ إِبْرَاهِيمُ رَبِّ ارْنِي كَيْفَ تُحْيِي
الْمَوْتَى ۝ قَالَ أَوْلَمْ تُؤْمِنْ ۝ قَالَ بَلَىٰ وَلَٰكِن

يُظَاهِرُونَ

مَنْزِلًا

59

झाला घबराहीमु इ-धन्नल्लाहा यर-ती
ईब्राहीम ने करमाया, तो अल्लाह

जिश् शम्सि मिनल मश्रिकि इर-ति
सूरज को लाता है पूरब से तू

जिहा मिनल मश्रिकि इ-नुहितल लम्ही
उसको पश्चिम से ले आ, तो होश उठ गये

इ-इर ७ वल्लाहु ला यहदिल इप्मम्
काहिर के, और अल्लाह राह नहीं दिखाता

मालिमीन ८ अप् कल्लम्ही मर्रा अला
आदिमों को. या उसकी तरह जो गुजरा

इर-यतिप् वहिया भावि-यतुन अला
अक बस्ती पर और वो ढई पणी थी अपनी

इरूशिहा ९ झाला अन्ना युहयी हाज़िहिल्लाहु जर-दा मव्तिहा ९
छतों पर, बोला इसे क्यूंकर जिलायेगा अल्लाह इसकी मौतके बाद,

इ-अमा-तहुल्लाहु मि-अता आमिन सुम्मा ज-असह ७
तो अल्लाहने उसे मुरदा रम्भा सौ बरस, फिर ज़िन्दा कर दिया,

झाला कम लजिस्त ७ झाला लजिस्तु यप्मन अप् जर-दा यौम ७
करमाया, तू यहाँ कितना ठेहरा? अर्ज की, दिन भर ठेहरा हूँगा या कुछ कम,

झाला जल लजिस्त ७ मि-अता आमिन इन्मुर धला तअामिका व शराजिका
करमाया, नहीं, तुझे सौ बरस गुजर गये, और अपने जाने और पानी को देख

लम य-तसन्नह ९ वन्मुर धला हिमारिक ९ व लि-नजय-लका आ-यतल
केअब तक बून लाया, और अपने गंधे के देखे जिसकी छड़ियां तक सलामत न रही, और ये इसलिये के तुझे हम

लिन्नासि वन्मुर धलल धम्मामि इय्हा नुन्शामुहा सुम्मा नकसूहा
लोगों के वासते निशानी करें, और इन छड़ियों को देख, क्यूंकर हम उन्हें उठान देते फिर उन्हें गोश्त

लहमा ७ इ-लम्मा तजय्यना लहू ७ झाला अय-लमु अन्नल्लाहा अला
पेचनाते हैं, जब ये मुआमला उसपर आदिर हो गया, बोला मैं भूख जन्ता हूँ के अल्लाह

कुल्लि शय्धन इदीर ० व धम् झाला घबराहीमु रजिअ अरिनी इय्हा
सब कुछ कर सकता है. और जब अर्ज की ईब्राहीम ने, अयरब मेरे! मुझे दिखा दे तू

तुहयिल मव्ता ७ झाला अ-पलम तुय-मिन ७ झाला जला व लाकिल
क्यूंकर मुरदे जिलायेगा, करमाया क्या तुझे यकीन नहीं, अर्ज की, यकीन क्यूं नहीं, मगर

لَيُظْمِرْنَ قَلْبِي ۖ قَالَ فَخُذْ أَرْبَعَةً مِّنَ الظِّمْرِ
فَصُرْهُنَّ إِلَيْكَ ثُمَّ اجْعَلْ عَلَى كُلِّ جَبَلٍ مِّنْهُنَّ
جُزْءًا ثُمَّ ادْعُهُنَّ يَأْتِيَنَّكَ سَعْيًا ۖ وَاعْلَمَنَّ أَنَّ
اللَّهَ عَزِيزٌ حَكِيمٌ ۝ مَّثَلُ الَّذِينَ يُنْفِقُونَ
أَمْوَالَهُمْ فِي سَبِيلِ اللَّهِ كَمَثَلِ حَبَّةٍ أَنبَتَتْ سَبْعَ
سَنَابِلَ فِي كُلِّ سُنبُلَةٍ مِّائَةُ حَبَّةٍ ۖ وَاللَّهُ يُضَعِفُ
لِمَن يَشَاءُ ۖ وَاللَّهُ وَاسِعٌ عَلِيمٌ ۝ الَّذِينَ يُنْفِقُونَ
أَمْوَالَهُمْ فِي سَبِيلِ اللَّهِ ثُمَّ لَا يُتَّبِعُونَ مَآ أَنفَقُوا
مَثًّا وَلَا آذًى ۚ لَهُمْ أَجْرُهُمْ عِندَ رَبِّهِمْ ۖ وَلَا
خَوْفٌ عَلَيْهِمْ وَلَا هُمْ يَحْزَنُونَ ۝ قَوْلٌ مَّعْرُوفٌ
وَمَغْفِرَةٌ خَيْرٌ مِّنْ صَدَقَةٍ يَتْبَعُهَا أَذًى ۖ
وَاللَّهُ غَنِيٌّ حَلِيمٌ ۝ يَا أَيُّهَا الَّذِينَ آمَنُوا لَا تُبْطِلُوا
صَدَقَاتِكُمْ بِالْمَنِّ وَالْأَذَى ۚ كَالَّذِي يُنْفِقُ

مَا لَهُ

مَثَلًا

60

લિ-ચત્મધન્ના કલ્મી ૫ કાલા ફ-ખુમ્
યે ચાહતા હું કે મેરે દિલકો કરાર આ જાએ, ફરમાયા તું

અર-બ-અતમ મિનત તયરિ ફ-સુરહુન્ના
અચ્છા ચાર પરિન્દે લેકર અપને સાથ હિલાલે,

ધલચ્કા સુમ્મજઅલ અલા ફુલ્લિ
ફિર ઉનકા એક એક દુકળા હર

જ-બલિમ મિન્હુન્ના જુમ્અન
પહાળ પર રખ દે

સુમ્મદ ઉહુન્ના ચર-તી-નકા સર-યા ૫
ફિર ઉન્હે બુલા, વો તેરે પાસ ચલે આએંગે પાંચ સે દૌળતે,

વર-લમ અન્નલાહા અમીમુન
ઔર જાન રખ કે અલ્લાહ ગાલિબ

હકીમ ઠ મ-સલુલ લમીના યુન્ફિફૂના અમ્વા-લહુમ ફી સબીલિલ્લાહિ
હિક્મત વાલા હૈ. ઉનકી કહાવત જો અપને માલ અલ્લાહકી રાહ મેં ખર્ચ કરતે હૈં

ક-મ-સલિ હબ્બતિન અમ્મતત સબ્યા સનાબિલા ફી ફુલ્લિ સુમ્બુ-લતિમ
ઉસ દાને કી તરહ જિસને ઉગાઈ સાત બાલેં હર બાલ મેં

મિ-અતુ હબ્બહ ૫ વલ્લાહુ યુદાઇફુ લિ-મંય યશાઅ ૫ વલ્લાહુ વાસિઉન
સૌ દાને, ઔર અલ્લાહ ઇસસે ભી ઝિયાદા બખ્ષાએ જિસકે લિએ ચાહે ઔર અલ્લાહ વુસઅત વાલા

અલીમ ઠ અલ્લમીના યુન્ફિફૂના અમ્વા-લહુમ ફી સબીલિલ્લાહિ
ઇલ્મવાલા હૈ. વો જો અપને માલ અલ્લાહ કી રાહમેં ખર્ચ કરતે હૈં

સુમ્મા લા યુલ્લિઇના મૌ અન્ફફૂ મન્નંવ્ વલૌ અમ્લ ૪ લહુમ અજરુહુમ
ફિર દિએ પીછે ન એહસાન રખ્ખે, ન તકલીફ દેં, ઉનકા નેગ

ધન્દા રઘિહિમ ૮ વલા ખપ્ફુન અલય્હિમ વલા હુમ ચહ-મનૂન ઠ
ઉનકે રખ કે પાસ હૈ, ઔર ઉન્હે ન કુછ અન્દેશા હો, ન કુછ ગમ.

ફવ્લુમ મર-રૂફ્ વ મરિફ-રતુન ખયરુમ મિન સ-દ-ફતિય્ ચત્મઉહો
અચ્છી બાત કેહના ઔર દરગુઝર કરના ઉસ ખૈરાતસે બેહતર હૈ જિસકે બાદ

અમ્મા ૫ વલ્લાહુ ગનિયુન હલીમ ઠ યૌ અચ્યુહલ લમીના આ-મનૂ
સતાના હો, ઔર અલ્લાહ બે-પરવા હિલ્મવાલા હૈ. અય ઈમાન વાલો

લા તુલ્લિલૂ સ-દફાતિફુમ બિલ મન્નિ વલ અમ્મા ૪ કલ્લમી યુન્ફિફૂ
અપને સદકે બાતિલ ન કર દો એહસાન રખકર ઔર ઈઆ દેકર, ઉસકી તરહ જો

مَا لَكُمْ مِنَ النَّاسِ وَلَا يُؤْمِنُونَ بِاللَّهِ وَالْيَوْمِ الْآخِرِ
فَعَسَىٰ أَمْرُهُمْ أَن يَمْشُوا عَلَىٰ أَعْقَابِهِمْ
وَأَن يَقُولُوا لَا يَفْعَلُونَ شَيْءٌ
وَمَا كَسَبُوا وَاللَّهُ لَا يَهْدِي الْقَوْمَ الْكَافِرِينَ
وَمَنْ أَذِينَ يَتَّبِعُونَ أَقْوَامَهُمْ ابْتِغَاءَ مَرْضَاتِ
اللَّهِ وَتُحِبُّهُمْ وَأَتُحِبُّهُمْ كَسَبُ جَنَّةٍ يَكُونُونَ
أَصْحَابَهَا وَأَبْنَاءُهَا أَكْثَرُ أَصْغَابِهِمْ فَإِنْ لَمْ
يُجِبْهُ وَأَبْنَاءُ فَصَلِّ عَلَيْهِمْ بِمَا تَعْمَلُونَ خَيْرًا
أَيُّودُ أَحَدُكُمْ أَنْ تَكُونَ لَهُ جَنَّةٌ مِّنْ نَّجِيلٍ
أَعْتَابٍ تُجْرَىٰ مِنْ تَحْتِهَا الْأَنْهَارُ لَهُ فِيهَا
مِنْ كُلِّ الثَّمَرَاتِ وَأَصَابَهُ الْكِبَرُ وَلَهُ ذُرِّيَّتٌ
ضَعُفَاءُ وَأَصَابَهَا إِفْصَارُ رَبِّهِ تَارًا فَاحْتَرَقَتْ
كَذَٰلِكَ يَبَيِّنُ اللَّهُ لَكُمْ الْآيَاتِ لَعَلَّكُمْ تَتَّقُونَ

मा-लहू रिआअन नासि वला युर-मिनु
अपना माल लोगोके दिभावे के लिअे भर्य करे और

जिल्लाहि वल यप्मिल आज़िर
अल्लाह और क्यामत पर ईमान न लाअे,

इ-म-सुलुहू इ-म-सुलि सइवानिन
तो उसकी कडावत ऐसी है जैसे अक यद्दान

अलयहि तुराभुन इ-असा-भहू वाभिलुन
के उसपर मिट्टी है, अब उसपर जोर का पानी पणा

इ-त-र-इहू सल्लाह ला यकिहरूना अला
जिसने उसे निरापन्न कर छोड़ा, अपनी कमाईसे

शाय्म मिम्मा इ-सभू वल्लाहु ला यहदिल
किमी चीज पर काम न पाअेंगे, और अल्लाह

इप्मल काहिरीन ० व म-सुलुल लगीना युन्किहूना अम्पा-लहुमुभ-तिगाआ
अकिसे अक नही देना और उनकी कडावत जो अपने माल

मर्दातिल्लाहि व तरुभीतम मिन अन्कुसिहिम इ-म-सुलि
अल्लाह की रजा यादने में भर्य करते हैं और अपने दिल जमाने को

जन्नतिम जि-रब्पतिन असा-भहा वाभिलुन इ-आतत डिहु-लहा
उस भाग की सी है जो छोण पर हो, उसपर जोर का पानी पणा तो दूने मेवे लाया,

दिर-इल इ इ-धल्लम युसिब्हा वाभिलुन इ-तल्ल व वल्लाहु जिमा
दिर अगर जोर का मंद उसे न पहुंचे तो ओस काही है, और अल्लाह

तर-मलूना भसीर ० अ-यपहु अ-हहुकुम अन तहूना लहू जन्नतुम मिन
तुम्हारे काम होम रहा है, क्या तुममें कोई ऐसे पसन्द रखेगा के उसके पास अक भाग हो

नभीलिंप् व अर-नाभिन तजरी मिन तहतिहल अन्हारु १ लहू इहा
भर्यों और अंगूरों का जिसके नीचे नदियां बहतीं, उसके लिअे उसमें

मिन कुल्लिस् स-मराति १ व असा-भहुल कि-भरु व लहू मुररिथ्यतुन
हर किसम के कलोंसे है, और उसे जुण्डापा आया और उसके

हु-अइअ् इ इ-असा-भहो धर-सारुन इहि नारुन इह-त-रइत
नानवां भर्ये हैं, तो आया उसपर अक बगोवा जिसमें आग थी तो जल गया,

कगालिका युभय्थिनुल्लाहु ल-कुमुल आयाति लअल्लकुम त-तइक-करून
ऐसा ही बयान करता है अल्लाह तुमसे अपनी आयतों के कहीं तुम ध्यान लगाओ.

يَا أَيُّهَا الَّذِينَ آمَنُوا أَنْفِقُوا مِنْ طِبَاعَاتِ مَا كَسَبْتُمْ
وَمِمَّا أَخْرَجْنَا لَكُمْ مِنَ الْأَرْضِ وَلَا تَيَمَّمُوا
الْحَبِيثَ مِنْهُ تُنْفِقُونَ وَلَسْتُمْ بِآخِذِيهِ إِلَّا أَنْ
تَغْرِبُوا فِيهِ ۖ وَاعْلَمُوا أَنَّ اللَّهَ غَنِيٌّ حَنِيدٌ ۝
الشَّيْطَانُ يَعِدُكُمُ الْفَقْرَ وَيَأْمُرُكُم بِالْفَحْشَاءِ ۖ
وَاللَّهُ يَعِدُكُم مَغْفِرَةً مِنْهُ وَفَضْلًا ۚ وَاللَّهُ
وَاسِعٌ عَلِيمٌ ۝ يُؤْتِي الْحِكْمَةَ مَنْ يَشَاءُ ۚ وَمَنْ
يُؤْتِ الْحِكْمَةَ فَقَدْ أُوتِيَ خَيْرًا كَثِيرًا ۚ وَمَا
يَذَكَّرُ إِلَّا أُولُوا الْأَلْبَابِ ۝ وَمَا أَنْفَقْتُمْ
مِنْ ثَقَفَةٍ أَوْ نَذْرَتُمْ مِنْ نَذْرٍ فَإِنَّ اللَّهَ
يَعْلَمُهُ ۚ وَمَا لِلظَّالِمِينَ مِنَ الْأَنْصَارِ ۚ إِنْ تَبَدَّلُوا
الصَّدَقَاتِ فَنِعِمَّا هِيَ ۚ وَإِنْ تُخْفُوهَا وَتُؤْتَوهَا
الْفُقَرَاءَ فَهُوَ خَيْرٌ لَكُمْ ۖ وَيُكَفِّرُ عَنْكُمْ مِنْ

યૌ અચ્ચુહલ લખીના આ-મનૂ અન્ફિકૂ

અય

ઈમાન વાલો

મિન તરિયબાતિ મા ફસહતુમ વ

અપની પાક કમાઈયો મેંસે ફુછ દો, ઓર

મિમ્મો અપરજના લકુમ મિનલ અરદિ

ઉસમેંસે જો હમને તુમ્હારે લિએ ઝમીનસે નિકાલા,

વલા તયમ્મમુલ ખબીસા મિન્હુ

ઓર ખાસ નાકિસ કા ઈરાદા ન કરો કે

તુન્ફિકૂના વ લસ્તુમ બિ-આખિઝીહિ

દો તો ઉસમેંસે ઓર

તુમ્હેં મિલે તો ન લોગે

ઇલ્લો અન તુઝિમદૂ ફીહ ટ વર-લમૂ

જબતક ઉસમેં ચશમપોશી ન કરો, ઓર જાન રખ્ખો

અન્નલ્લાહા ગનિચ્યુન હમીદ ○ અશશય્તાનુ યઘ્દુકુમુલ ફફરા

કે અલ્લાહ

બે-પરવા સરાહા ગયા હે.

શૈતાન તુમ્હેં અન્દેશા દિલાતા હે મોહતાજ કા

વ યર-મુરુકુમ બિલ ફહશાઅ ટ વલ્લાહુ યઘ્દુકુમ મઝિફ-રતમ

ઓર હુકમ દેતા હે

બે-હયાઈ કા,

ઓર અલ્લાહ તુમસે વા'દા ફરમાતા હે બખ્શિશ

મિન્હુ વ ફદલા ટ વલ્લાહુ વાસિઉન અલીમ યુર-તિલ હિક્મતા

ઓર ફઝલ કા,

ઓર અલ્લાહ વુસઅત વાલા ઈલ્મવાલા હે.

અલ્લાહ હિક્મત દેતા હે

મંય્ યશાઅ ટ વ મંય્ યુર-તલ હિક્મતા ફ-ફદ ઊતિયા ખયરન

જિસે યાહે

ઓર જિસે

હિક્મત મિલી ઉસે બહુત ભલાઈ મિલી

કસીરા ટ વમા યઝ-ઝક-કરુ ઇલુલ અબ્બાબ ○ વમો

ઓર નસીહત નહીં માનતે મગર

અકલ વાલે.

ઓર

અન્ફફતુમ મિન ન-ફ-ફતિન અવ્ નઝરતુમ મિન નઝરિન

તુમ

જો

ખર્ચ કરો

યા મન્નત માનો

ફ-ઇન્નલ્લાહા યર-લમુહ ટ વમા લિઝ્ઝાલિમીના મિન અન્સાર ○

અલ્લાહ કો ઉસકી ખબર હે,

ઓર

આલિમોં કા કોઈ મદદગાર નહીં.

ઇન તુબ્દુસ સ-દફાતિ ફ-નિઘમ્મા હી ટ વ ઇન તુફફહા વ તુર-તૂહલ

અગર ખેરાત અલાનિયા દો તો વો કયા હી અચ્છી બાત હે

ઓર અગર છુપાકર

ફ-ફરોઆ ફહુવા ખયરુલ લકુમ ટ વ યુફફ-ફિરુ અન્કુમ મિન

ફકીરોંકો દો યે તુમ્હારે લિએ સબસે બેહતર હે

ઓર ઈસમેં તુમ્હારે ફુછ ગુનાહ ઘટેંગે,

سَيَاتِكُمْ ۖ وَاللّٰهُ بِمَا تَعْمَلُونَ خَبِيرٌ ۝ لَّيْسَ عَلَيْكَ هُدَاهُمْ وَلٰكِنَّ اللّٰهَ يَهْدِي مَن يَشَاءُ ۚ وَمَا تُنْفِقُوا مِنْ خَيْرٍ فَلَا يُنْفِكُمْ ۚ وَمَا تُنْفِقُونَ اِلَّا اِبْتِغَاءَ وَجْهِ اللّٰهِ ۚ وَمَا تُنْفِقُوا مِنْ خَيْرٍ يُّؤَقِّ إِلَيْكُمْ ۚ وَאַنتُمْ لَا تَظْلُمُونَ ۝ لِلْفُقَرَاءِ الَّذِينَ أُحْصِرُوا فِي سَبِيلِ اللّٰهِ لَا يَسْتَطِيعُونَ ضَرْبًا فِي الْأَرْضِ يَحْسَبُهُمُ الْجَاهِلُ أَغْنِيَاءَ مِنَ التَّعْقِفِ ۚ تَعْرِفُهُمْ بِسَيِّئِهِمْ ۚ لَا يَسْأَلُونَ النَّاسَ إِحْقَافًا ۚ وَمَا تُنْفِقُوا مِنْ خَيْرٍ فَإِنَّ اللّٰهَ بِهِ عَلِيمٌ ۝ الَّذِينَ يُنْفِقُونَ أَمْوَالَهُمْ بِاللَّيْلِ وَالنَّهَارِ سِرًّا وَعَلَانِيَةً ۖ فَلَهُمْ أَجْرُهُمْ عِنْدَ رَبِّهِمْ ۖ وَلَا خَوْفٌ عَلَيْهِمْ وَلَا هُمْ يَحْزَنُونَ ۝ الَّذِينَ يَأْكُلُونَ الرِّبَا لَا يَقْوَمُونَ إِلَّا كَمَا يَقُومُ الَّذِي يَخْطِطُهُ

الْقَيْطَانِ

منزل

63

सयिआतिकुम ७ वल्लाहु जिमा
और अल्लाह को

तर-मलून। पजीर ० लयसा अलयका
तुम्हारे कामोंकी पजर है। उन्हें राह देना तुम्हारे जिम्मे

हुदाहुम व लाकिन्नल्लाहा यहदी मय्
लाजिम नहीं, हां, अल्लाह राह देता है जिसे

यशाय् ७ वमा तुन्फिक् मिन पय्रिन
याहता है, और तुम जो अच्छी चीज दो

ह-लि-अन्हुसिक्कुम ७ वमा तुन्फिक्कूना
तो तुम्हारा ही भला है, और तुम्हें भय करना मुनासिब

धल्लजितगाया। पजहिल्लाह ७ वमा
नहीं मगर अल्लाह की मरजी याहने के लिये, और जो

तुन्फिक्कू मिन पय्रिन् युपह-ह। धलयकुम व अन्तुम ला तुम्-लमून ०
माल दो तुम्हें पूरा मिलेगा और नुकसान न दिये जाओगे।

लिल-हु-कराधल लमीना उहसिरू ही सजीलिल्लाहि ला यस्ततीठिना
उन इकीरों के लिये जो राहें जुदा में रोके गये

दर्जन हिल अरदि ७ यह-सजुहुमुल जहिलु अगिनयाया
अमीन में यल नहीं सकते, नादान उन्हें तवंगर समझे

मिनत तअह-हुह ७ तर-रिहुहुम जि-सीमाहुम ७ ला यस्थलूनन
भयने के सबब, तू उन्हें उनकी सूरत से पहचान लेगा, लोगोंसे सवाल नहीं करते

नासा धल्लाहा ७ वमा तुन्फिक्कू मिन पय्रिन ह-धन्नल्लाहा
के गिणगिणाना पणे, और तुम जो भैरात करो अल्लाह

जिही अलीम ० अल्लमीना युन्फिक्कूना अम्वा-लहुम जिल्लयलि
उसे जानता है। वो जो अपने माल भैरात करते हैं रातमें

पन्नहारि सिरंप् व अलानि-यतन ह-लहुम अजरुहुम धन्दा रज्जिहिम ७
और दिनमें, छुपे और आधिर, उनके लिये उनका नेग है उनके रब के पास,

वला पय्हुन अलयहिम वला हुम यह-मनून ० अल्लमीना यर-हुलूनर
उनको न कुछ अन्देशा हो, न कुछ गम। वो जो

रिजा ला यक्मूना धल्ला कमा यक्मुल लमी य-त-पज्जतुहुश
सूद पाते हैं क्यामतके दिन न पणे होंगे मगर जैसे पणा होता है वो जिसे

الشَّيْطَانُ مِنَ الْمَسِّ ذَلِكِ بِأَنَّهُمْ قَالُوا إِنَّمَا
الْبَيْعُ مِثْلُ الرِّبَا وَأَحَلَّ اللَّهُ الْبَيْعَ وَحَرَّمَ الرِّبَا
فَمَنْ جَاءَهُ مَوْعِظَةٌ مِنْ رَبِّهِ فَاتَّبَعَهَا فَلَهُ مَا
سَلَفَ وَأَمْرُهُ إِلَى اللَّهِ وَمَنْ عَادَ فَأُولَئِكَ
أَصْحَابُ النَّارِ هُمْ فِيهَا خَالِدُونَ ۝ يَحَقُّ اللَّهُ الرِّبَا
وَيُزِيلُ الصَّدَقَاتِ ۝ وَاللَّهُ لَا يُحِبُّ كُلَّ كَفَّارٍ أَثِيمٍ ۝
إِنَّ الَّذِينَ آمَنُوا وَعَمِلُوا الصَّالِحَاتِ وَأَقَامُوا الصَّلَاةَ
وَاتَوَاتُوا الزَّكَاةَ لَهُمْ أَجْرُهُمْ عِنْدَ رَبِّهِمْ ۝ وَلَا خَوْفٌ
عَلَيْهِمْ وَلَا هُمْ يَحْزَنُونَ ۝ يَأَيُّهَا الَّذِينَ آمَنُوا
اتَّقُوا اللَّهَ وَذَرُوا مَا بَقِيَ مِنَ الرِّبَا إِن كُنْتُمْ
مُؤْمِنِينَ ۝ فَإِنْ لَمْ تَفْعَلُوا فَأْذَنُوا بِحَرْبٍ مِنَ
اللَّهِ وَرَسُولِهِ ۝ وَإِنْ تُبْتُمْ فَلَكُمْ رُءُوسُ أَمْوَالِكُمْ
لَا تَظْلِمُونَ وَلَا تُظْلَمُونَ ۝ وَإِنْ كَانَ ذُو

عَشْرَةٍ

مَنْزِلًا

५४

शय्दानु मिनल मस्स ट मालिका।
आसेबने छूकर मज्भूत बना दिया हो, ये
जि-अन्नहुम फ़ालू धन्नमल जय्ति
धसलियो के उन्होने कडा। बैअ भी तो
मिस्लुर रिजा व अहल्लाहुल जय्ति।
सूद ही के मानिन्द है, और अल्लाहने उलाव किया बैअको
व हरमर रिजा ट इ-मन ज-अह
और हराम किया सूद, तो जिसे उसके रब्के पास से
मव्ध-मृतुम मिर रजिहही इन्तहा।
नसीहत आर्ध और वो बाज रहा तो उसे
इ-लहू मा सलइ ट व अमुहू धल्लाह ट
उलाव है जो पेहले ले युका, और उसका काम जुदाके सुपुर्द है,

व मन आदा इ-उलाधका अरहाबुन नार ट हुम हीहा जालिदून ○
और जो अब ऐसी हरकत करेगा तो वो दोजभी है, वो उसमें मुदतों रहेंगे।

यम्हकुल्लाहुर रिजा व युरजिस स-दफ़ात ट वल्लाह ला युहिब्नु
अल्लाह उलाक करता है सूद को और बण्डाता है पैरात को, और अल्लाहको पसन्द नहीं आता

कुल्ला इइ-हारिन असीम ○ धन्नल लज़ीना आ-मनू व अमिलुस
कोई नाशुकरा बणा गुनेउगार. बेशक वो जो ईमान लाये और

सालिहाति व अफ़ामुस सलाता व आ-तपुम मकाता लहुम अजरुहुम
अच्छे काम क्रिये और नमाज काईम की और जकात दी, उनका नेग

धन्दा रजिहिम ट वला ज़फ़ुन अलयहिम व ला हुम यह-मनून ○
उनके रब् के पास है, और न उन्हें कुछ अन्देशा हो, न कुछ गम.

यो अरयुहल लज़ीना आ-मनुत तकुल्लाहा व मरू मा जफ़िया
अय ईमान वाली, अल्लाह से डरो और छोण दो जो बाकी रेह गया है

मिनर रिजो धन कुन्तुम मुर-मिनीन ○ इ-धल्लम तइ-अलू इर-मनू
सूद अगर मुसलमान हो. फिर अगर ऐसा न करो तो यकीन करलो

जि-हरजिम मिनल्लाहि व रसूलिह ट व धन तुब्तुम इ-लकुम रुडिसु
अल्लाह और अल्लाह के रसूल से लणाई का, और अगर तुम तौबा करो तो अपना असल

अम्वालिक्कुम ट ला तमलिमूना वला तुम्-लमून ○ व धन फ़ाना मू
माल लेलो, न तुम किसीको नुकसान पहुंचाओ, न तुम्हें नुकसान हो. और अगर

عُسْرَةٍ قَنْظَرَةٌ إِلَى مَيْسَرَةٍ ۖ وَأَنْ تَصَدَّقُوا خَيْرٌ
لَكُمْ إِنْ كُنْتُمْ تَعْلَمُونَ ۝ وَاتَّقُوا يَوْمًا تُرْجَعُونَ
فِيهِ إِلَى اللَّهِ ۖ ثُمَّ تُوَفَّى كُلُّ نَفْسٍ مَا كَسَبَتْ
وَهُمْ لَا يُظْلَمُونَ ۝ يَا أَيُّهَا الَّذِينَ آمَنُوا إِذَا
تَدَايَيْتُمْ بِدِينٍ إِلَى أَجَلٍ مُسَمًّى فَاكْتُبُوهُ ۖ
وَلْيَكْتُبْ بَيْنَكُمْ كَاتِبٌ بِالْعَدْلِ ۚ وَلَا يَبْ
كَاتِبٌ أَنْ يَكْتُبَ كَمَا عَلَّمَهُ اللَّهُ ۚ فَلْيَكْتُبْ وَلْيُمْلِلِ
الَّذِي عَلَيْهِ الْحَقُّ وَلْيَتَّقِ اللَّهَ رَبَّهُ وَلَا يَبْخَسْ
مِنْهُ شَيْئًا ۚ فَإِنْ كَانَ الَّذِي عَلَيْهِ الْحَقُّ سَفِيهًا
أَوْ ضَعِيفًا أَوْ لَا يَسْطِيعُ أَنْ يُمْلِئَ هُوَ فليُؤْمِلْ
وَلْيُؤْمِلْ بِالْعَدْلِ ۖ وَاسْتَشْهِدُوا شَهِيدَيْنِ مِنْ
رِجَالِكُمْ ۖ فَإِنْ لَمْ يَكُونَا رَجُلَيْنِ فَرَجُلٌ وَامْرَأَتَانِ
مِنْ تَرْضَوْنَ مِنَ الشُّهَدَاءِ أَنْ تَضِلَّ إِحْدَاهُمَا

فَذَكَرَ

مَنْعًا

65

उररतिन इ-नमि-रतुन धला

कर्णदार तंगीवाला है तो उसे मोड़लत हो

मय-सरह ५ व अन तसह-दकु भयुरुल

आसानी तक, और कर्ण उसपर बिलकुल छोण देना

लकुम धन कुन्तुम तर-लमून ०

तुम्हारे लिये और भला है अगर जानो.

वत्तकु यव-मन नुर-जड़िन। कीहि

और उरो उस दिनसे जिसमें

धलल्लाह सुम्मा तुपइ-इ। कुल्लु नइसिम

अल्लाह की तरफ़ क़िरोगे, और उर जान को उसकी

मा इ-समत व हुम ला युम-लमून ०

क़मार्थ पूरी भर दी जायेगी, और उनपर सुल्म न डोगा.

यो अय्युहल लमिना आ-मनू धम। तदायन्तुम मि-दय्निन धलो

अय धमान वालो जब तुम अक मुकर्र मुदत तक किसी दैन का

अ-जलिम मुसम्मन इकुतुबूह ५ वल यकुतुम भय-नकुम कातिभुम

लेनदेन करो तो उसे लिख लो, और याहिअ के तुम्हारे दरमियान कोई लिखनेवाला

मिल अदलि ५ वला यर-भा कातिभुन अय् यकुतुभा कमा अल्ल-महुल्लाहु

ठीक ठीक लिखे, और लिखनेवाला लिखने से धन्कार न करे जैसाके उसे अल्लाहने सिखाया है,

इल-यकुतुम ८ वल युमिलिल लमि अलय्हिल हइकु वल यत्तइल्लाह

तो उसे लिख देना याहिअ, और जिस बात पर उक आता है वो लिखाता जाये, और अल्लाहसे उरे

रब्बहु वला यब्भस मिन्हु शय्आ ५ इ-धन कानलमि अलय्हिल

जो उसका रभ है और उक मेंसे कुछ रभ न छोणे, फिर जिसपर उक आता है

हइकु सहीहन अय् दइइन अय् ला यस्ततीइ अय् युमिल्ला हुवा

अगर बे-अकल या नातवां हो या लिखा न सके

इयुमिलिल वलियुहू मिल अदलि ५ वस्तहिहू शहीदय्नि

तो उसका वली धन्साइ से लिखाये, और दो गवाह करलो

मिर रिजालिकुम ८ इ-धल्लम यइना रजुलय्नि इ-रजुलुप् वमर-अतानि

अपने मरदों मेंसे, फिर अगर दो मर्द न हों तो अक मर्द और दो औरतें

मिम्मन तरदप्ना मिनश शु-हदाय अन तदिल्ला धहदाहुमा

औसे गवाह जिनको पसन्द करो, के कहीं उनमेंसे अक औरत लूले

فَتَذَكَّرُ أَحَدَهُمَا الْآخَرَىٰ ۖ وَلَا يَأْبَ الشُّهَدَاءُ ۚ إِذَا
مَادَعُوا ۖ وَلَا تَسْمَوْنَ أَنْ تَكْتُبُوهُ صَغِيرًا أَوْ كَبِيرًا
إِلَىٰ أَجَلِهِ ۚ ذَلِكُمْ أَقْسَطُ عِنْدَ اللَّهِ وَأَقْوَمُ لِلشَّهَادَةِ
وَأَذْنُ الْآلَا تَرْتَابُونَ إِلَّا أَنْ تَكُونُوا تِجَارَةً
حَاضِرَةً تُدِيرُونَهَا بَيْنَكُمْ فَلَيْسَ عَلَيْكُمْ
جُنَاحٌ أَلَّا تَكْتُبُوهَا ۚ وَأَشْهِدُوا إِذَا تَبَايَعْتُمْ ۚ
وَلَا يُضَارَرُ كَاتِبٌ وَلَا شَهِيدٌ وَإِنْ تَفَعَّلُوا
فَإِنَّهُ فُسُوقٌ بِكُمْ ۚ وَاتَّقُوا اللَّهَ ۚ وَيَعْلَمُ اللَّهُ
وَاللَّهُ بِكُلِّ شَيْءٍ عَلِيمٌ ۖ وَإِنْ كُنْتُمْ عَلَىٰ سَفَرٍ
وَلَمْ تَجِدُوا كَاتِبًا فَرِهْنَ مَقْبُوضَةً ۚ فَإِنْ أَثِمْنَ
بَعْضُكُمْ بَعْضًا فَلْيُؤَدِّ الَّذِي أُؤْتِمِنَ أَمَانَتَهُ
وَلْيَتَّقِ اللَّهَ رَبَّهُ ۚ وَلَا تَكْفُرُوا الشَّهَادَةَ ۚ وَمَنْ يَكْفُرْهَا
فَأِنَّهُ إِثْمٌ قَلْبُهُ ۚ وَاللَّهُ بِمَا تَعْمَلُونَ عَلِيمٌ ۖ

بَابُ

مَنْ

इ-तुमकिर। धहदाहुमल डिपरा। त
तो उस अक को दूसरी याद दिला दे,
पला यर-भश शु-हदाहि धम मा दुहि। त
और गवाह जब बुलाये जायें तो आनेसे ईन्कार न करें,
पला तस्थमू अन तक्तुभूह सगीरन
और इससे भारी न जानो के दैन छोटा हो
अप् कभीरन धलो अ-जलिह। त
या बना उसकी भीआद तक लिखत करलो,
मालिकुम अकसतु धन्दलाहि। प
ये अल्लाहके नजदीक जियादा ईन्साफकी बात है,
अक-पमु लिश शहा-दति प अदनी
इसमें गवाही ખૂબ ठीक रहेगी और ये इससे करीब है

अल्ला तर्ताभू धलो अन तहूना तिज-रतन हादि-रतन तुदीरू-नहा।
के तुम्हें शुभा न पणे मगर ये के कोई सरेदस्त का सौदा दस्त बंदस्त हो

भय-नकुम इ-लयसा अलयकुम जुनाहुन अल्ला तक्तुभूह। त
तो उसके न लिखने का तुमपर गुनाह नहीं,

प अरिहदू धम तभायर-तुम पला युदार्सा कातिभुंप् पला शहीद। त
और जब भरीदो इरोफ्त करो तो गवाह करलो, और न किसी लिखनेवाले को जरूर दिया जाये, न गवाह को (या न लिखनेवाला जरूर दे, न गवाह)

प धन तह-अलू इ-धन्नहू इसूकुम भिकुम पत्तकुल्लाह। प
और जो तुम ऐसा करो तो ये तुम्हारा फिस्क होगा, और अल्लाहसे डरो, और

युअल्लिमुकुमुल्लाह। प पल्लाहु भि-कुल्लि शय्धन अलीम। प धन कुन्तुम
अल्लाह तुम्हें सिखाता है और अल्लाह सभ कुछ जानता है. और अगर

अला स-इरिप् प लम तजिहू कातिभन इ-रिहानुम मकभूह। त इ-धन
तुम सफरमें हो और लिखनेवाला न पाओ तो गिरो हो कफ्जा में दिया हुवा, और अगर

अमिना भर-हुकुम भर-धन इल-युअदहिल लमिर-तुमिना अमा-न-तहू
तुममें अक को दूसरे पर ईत्मीनान हो तो वो जिसे उसने अमीन समजा था अपनी अमानत अदा करदे

पल यत्तकुल्लाह। रब्भह। प पला तक्तुमुश शहादह। प प मय् यक्तुमहा।
और अल्लाहसे डरे जो उसका रब है, और गवाही न छुपाओ, और जो गवाही छुपायेगा

इ-धन्नहू आसिमुन इल्लुह। प पल्लाहु भिमा तर-मलूना अलीम। त
तो अन्दरसे उसका दिल गुनेहगार है, और अल्लाह तुम्हारे कामोंको जानता है.

لِلّٰهِ مَا فِي السَّمٰوٰتِ وَمَا فِي الْاَرْضِ ۗ وَاِنْ تُبَدَّلُوْا
 مَا فِيْ اَنْفُسِكُمْ اَوْ تُخَفُّوْهُ يَحْسِبْكُمْ بِهٖ اللّٰهُ ۗ
 فَيَغْفِرْ لِمَنْ يَّشَآءُ وَيُعَذِّبْ مَنْ يَّشَآءُ ۗ وَاللّٰهُ
 عَلٰى كُلِّ شَيْءٍ قَدِيْرٌ ۝ اَمِنَ الرَّسُوْلُ بِمَا اُنْزِلَ
 اِلَيْهِ مِنْ رَّبِّهِ ۚ وَالْمُؤْمِنُوْنَ ۚ كُلٌّ اٰمَنَ بِاللّٰهِ
 وَمَلٰٓئِكَتِهٖ وَكُتُبِهٖ وَرُسُلِهٖ ۚ لَا تَفَرَّقُ بَيْنَ اَحَدٍ
 مِّنْ رُّسُلِهٖ ۚ سَوَآءٌ لَّوَا سَمِعْنَا وَاَطَعْنَا ۚ غُفْرٰتُكَ
 رَبَّنَا ۚ وَاِلَيْكَ الْمَصِيْرُ ۝ لَا يُكَلِّفُ اللّٰهُ نَفْسًا اِلَّا
 وُسْعَهَا ۚ لَهَا مَا كَسَبَتْ وَعَلَيْهَا مَا اكْتَسَبَتْ ۗ
 رَبَّنَا لَا تُؤَاخِذْنَا اِنْ نَّسِيْنَا اَوْ اَخْطَاْنَا ۚ رَبَّنَا
 وَلَا تَحْمِلْ عَلَيْنَا اِصْرًا كَمَا حَمَلْتَهُ عَلٰى الَّذِيْنَ مِنْ
 قَبْلِنَا ۚ رَبَّنَا وَلَا تُحَمِّلْنَا مَا لَا طَاقَةَ لَنَا بِهٖ ۗ
 وَاعْفُ عَنَّا ۚ وَارْحَمْنَا ۚ اَنْتَ مَوْلٰنَا

فَاَنْصُرْنَا

مَثَلًا

۝

लिल्लाहि माफ़िस समावाति व माफ़िल
 अल्लाह ही का है जो कुछ आसमानोंमें है और जो कुछ

अर्ह ७ व धन तुब्हू मा ई अन्हुसिहुम
 जमीनमें है, और अगर तुम जाहिर करो जो कुछ तुम्हारे

अप् तुब्हूहू युहासिहुम भिहिल्लाह ७
 ज में है या छुपाओ, अल्लाह तुमसे उसका हिसाब लेगा,

इ-यहिंरु लि-मंय यशाहि व युअम्ज़िनु
 तो जिसे याहेगा बप्शेगा और जिसे याहेगा सजा देगा

मंय यशाय् ७ वल्लाहु अला कुल्लि
 और अल्लाह उर

शय्धन इदीर ० आ-मनर रसूलु भिमो
 चीज़ पर कादिर है. रसूल धिमान लाया उसपर जो

उन्मिला धलय्हि मिर रब्बिही वल मुय-मिनून ७ कुल्लुन आ-मना
 उसके रब् के पाससे उसपर उतरा और धिमान वाले, सबने माना

भिल्लाहि व मल्लोय-कतिही व कुतुभिही व रुसुलिह ७ ला नुह्ररिहु
 अल्लाह और उसके इरिशतों और उसकी किताबों और उसके रसूलों को, ये केहते हुअे के हम

जय्ना अ-हदिम मिर रुसुलिह ७ व इलू समिर-ना व अतय-ना ७
 उसके किसी रसूल पर धिमान लानेमें इर्क नहीं करते, और अर्ज की के हमने सुना और माना,

गुहरा-नका रब्बना व धलय्हल मसीर ० ला युहल्लिहुल्लाहु नह-सन
 तेरी मुआही हो अय रब् हमारे और तेरी ही तरफ़ फिरना है. अल्लाह किसी ज्ञान पर जोज़ नहीं डालता

धल्ला पुस्यहा ७ लहा मा इ-समत व अलयहा मकत-समत ७
 मगर उसकी ताकत भर, उसका शायद है जो अख़्त कमाया और उसका नुक़सान है जो भुराई कमाई,

रब्बना ला तुआभिम्नो धन नसीनो अप् अफ़तर-ना ७ रब्बना
 अय रब् हमारे ! हमें न पकण अगर हम भूलें या यूकें, अय रब् हमारे !

वला तहमिल अलय्नो धस्रन कमा हमल्लहू अलल लम्नीना मिन
 और हमपर भारी जोज़ न रब् जैसा तूने हमसे अगलों पर रप्पा था,

इह्लिना ७ रब्बना वला तुहम्मिन्ना मा ला ता-इता लना भिह ७
 अय रब् हमारे ! और हमपर वो जोज़ न डाल जिसकी हमें सहार न हो,

वर-हु अन्ना ७ वरिहर लना ७ वरहम्ना ७ अन्ता मप्लाना
 और हमे मुआइ करमा दे, और बप्श दे, और हमपर भेरे कर, तू हमारा मौला है,

فَأَنصُرْنَا عَلَى الْقَوْمِ الْكَافِرِينَ

بِسْمِ اللَّهِ الرَّحْمَنِ الرَّحِيمِ
 اللَّهُ لَا إِلَهَ إِلَّا هُوَ الْحَيُّ الْقَيُّومُ ۝ نَزَّلَ
 عَلَيْكَ الْكِتَابَ بِالْحَقِّ مُصَدِّقًا لِمَا بَيْنَ يَدَيْهِ
 وَأَنزَلَ التَّوْرَةَ وَالْإِنْجِيلَ ۝ مَنْ قَبْلُ هَٰذَا
 لِلنَّاسِ ۝ وَأَنزَلَ الْفُرْقَانَ ۝ إِنَّ الَّذِينَ كَفَرُوا بِآيَاتِ
 اللَّهِ لَهُمْ عَذَابٌ شَدِيدٌ ۝ وَاللَّهُ عَزِيزٌ ذُو انتِقَامٍ ۝
 إِنَّ اللَّهَ لَا يَخْفَىٰ عَلَيْهِ شَيْءٌ فِي الْأَرْضِ وَلَا فِي
 السَّمَاءِ ۝ هُوَ الَّذِي يُصَوِّرُكُمْ فِي الْأَرْحَامِ كَيْفَ
 يَشَاءُ ۝ لَا إِلَهَ إِلَّا هُوَ الْعَزِيزُ الْحَكِيمُ ۝ هُوَ
 الَّذِي أَنزَلَ عَلَيْكَ الْكِتَابَ مِنْهُ آيَاتٌ مُحْكَمَاتٌ
 هُنَّ أُمُّ الْكِتَابِ وَأُخَرُ مُتَشَابِهَاتٌ ۝ فَأَمَّا الَّذِينَ

इन्सुरना अलल् इप्मिल काफ़िरीन
 तू काफ़िरीं पर उमें मदद दे.

सूरतुल आलि धमरान
 मदनी है इसमें दो सौ आयतें और बीस रुकूअ हैं
बिस्मिल्ला हिर्रह्मा निर्रहीम ०
 अल्लाह के नामसे शुरूअ जो निहायत मेहरबान रहमवाला

अलिफ़ लाम मीम ० अल्लाहु लो
 अल्लाह है जिसके सिवा

धलाहा धल्ला हुपल ५ हय्युल इय्यूम ०
 किसीकी पूजा नहीं, आप ज़िन्दा, औरोंका काँधम रभनेवाला

नम्-मल। अलय्कल किताबा मिल
 उसने तुमपर ये सख्ती किताब उतारी,

हकिफ़ि मुसद्दिक़ल लिमा जय्ना यद्यहि व अन्मलत
 अगली किताबोंकी तसदीक़ इरमाती और उसने

तप्राता पल धन्जल ० मिन इब्नु हुदल लिन्नासि व अन्मलल
 इससेपेहले तोरेत और धन्जल उतारी।
 लोगोंको राह दिभाती और

कुरफ़ान ५ धन्नल लज़ीना इ-इरू मि-आयातिल्लाहि लहुम
 इसला उतारा, बेशक वो जो अल्लाहकी आयतोंसे मुन्किर हुअे उनके लिये

अज़ाबुन शदीद ५ वल्लाहु अज़ीमुन मुन्तिफ़ाम ०
 सप्त अज़ाब है और अल्लाह गालिब बदला लेनेवाला है.

धन्नल्लाहा ला यफ़्हा अलय्हि शय्उन हिल अरदि
 अल्लाह पर कुछ छुपा नहीं ज़मीनमें

पला हिस समोअ् ० हुपल्लज़ी युसप्पिरुकुम हिल अरहामि
 न आसमान में. वोही है के तुम्हारी तसवीर बनाता है माओं के पेट में,

कय्फ़ा यशोअ् ५ लो धलाहा धल्ला हुपल अज़ीमुल हकीम ०
 जैसी था, उसके सिवा किसीकी इबादत नहीं इज़्ज़त वाला हिकमत वाला.

हुपल्लज़ी अन्मला अलय्कल किताबा मिन्हु आयातुम मुह-कमातुन
 वोही है जिसने तुमपर ये किताब उतारी, इसकी कुछ आयतें साफ़ मा'नी रभती हैं

हुन्ना उम्मुल किताबि व उ-ज़रु मु-तशाबिहात ५ इ-अम्मल लज़ीना
 वो किताबकी असल हैं और दूसरी वो हैं जिनकी मा'नी में इश्तेबाह है. वो जिनके

فِي قُلُوبِهِمْ زَنْجٌ فَيَتَّبِعُونَ مَا تَشَابَهَ مِنْهُ ابْتِغَاءَ
الْفِتْنَةِ وَابْتِغَاءَ تَأْوِيلِهِ وَمَا يَعْلَمُ تَأْوِيلَهُ إِلَّا
اللَّهُ وَالرَّاسِخُونَ فِي الْعِلْمِ يَقُولُونَ آمَنَّا بِهِ كُلٌّ
مِّنْ عِندِ رَبِّنَا وَمَا يَذَّكَّرُ إِلَّا أُولُو الْأَلْبَابِ
رَبَّنَا لَا تُزِغْ قُلُوبَنَا بَعْدَ إِذْ هَدَيْتَنَا وَهَبْ
لَنَا مِن لَّدُنكَ رَحْمَةً إِنَّكَ أَنْتَ الْوَهَّابُ
رَبَّنَا إِنَّكَ جَامِعُ النَّاسِ لِيَوْمٍ لَا رَيْبَ فِيهِ
إِنَّ اللَّهَ لَا يُخْلِفُ الْمِيعَادَ إِنَّ الَّذِينَ كَفَرُوا
لَن تُغْنِيَ عَنْهُمْ أَمْوَالُهُمْ وَلَا أَوْلَادُهُمْ مِنَ اللَّهِ
شَيْئًا وَأُولَئِكَ هُمْ وَقُودُ النَّارِ كَذَّابٍ
فِرْعَوْنُ وَالَّذِينَ مِنْ قَبْلِهِمْ كَذَّبُوا بِآيَاتِنَا
فَأَخَذَهُمُ اللَّهُ بِذُنُوبِهِمْ وَاللَّهُ شَدِيدُ الْعِقَابِ
قُلْ لِلَّذِينَ كَفَرُوا سَعْيُهُمْ سَتُغْلَبُونَ وَتُحْشَرُونَ إِلَى
جَهَنَّمَ

جَهَنَّمَ

مَثَلًا

ही कुलूभिहिम मय्गुन इ-यत्तभिहिना।
हिलोमें कछु है वो धरतेभाउ वाली के पीछे पणते हैं
मा तशा-भह। मिन्हुजितगोअल
गुमराही थाउने
इत्नति वजितगोआ। तर-वीलिह ह
और उसका पेडलू ढूंउने को,
वमा यर-लमु तर-वी-लहू धल्लल्लाह
और उसका ठीक पेडलू अल्लाह ही को मा'लूम है,
पर रासिभूना। इल धल्मि यकूलूना।
और पुप्ता। धल्मवाले केउते हैं
आमन्ना भिही ५ कुल्लुम मिन धन्दि
उम उसपर धमान लाओ, सभ उमारे रभके पास से है,

रजिभिना ह वमा यम्-म्क-कुरु धल्लो उलुल अल्लाभ ० रज्जना ला
और नसीउत नहीं मानते मगर अकल वाले. अय रभ उमारे

तुमिग। कुलू-भना भर-दा। धम् हदय-तना व हभ लना मिल लहुन्का।
हिल टेण्डे न कर भाद इसके के तूने उमें छिदायत दी और उमें अपने पास से

रह-मह ह धन्नका अन्तल वह-हाभ ० रज्जना धन्नका जमिउिन नासि
रउमत अत्ता कर, भेशक तू है भणा देनेवाला. अय रभ उमारे! भेशक तूसभ लोगोको जमा' करनेवाला है

लि-यव्मिल ला रय्भा हीह ५ धन्नल्लाहा ला युजिलकुल मीआह ०
उस दिन के लिये जिसमें कोई शुभा नहीं, भेशक अल्लाहका वा'दा नहीं भदलता.

धन्नल लम्नीना इ-इरू लन तुग्निथा अन्हुम अम्पालुहुम वलो अप्लाहुहुम
भेशक वो जो काकिर हुओ उनके माल और उनकी औलाह

मिनल्लाहि शय्आ ५ व उलोयका हुम पकूहुन नार ० इ-दर-भि आलि
अल्लाहसे उन्हे कुछ न भया सकेंगे, और वोही दोउभके धंधन हैं. जैसे

इरअप्ना ५ वल्लम्नीना मिन इजिलहिम ५ कम्-म्भू भि-आयातिना ह
इरओन वालों और उनसे अगलोंका तरीका, उन्हींने उमारी आयतें जुटलाई

इ-अ-म्-म्हुमुल्लाहु भि-मुनूभिहिम ५ वल्लाहु शदीहुल
तो अल्लाहने उनके गुनाहों पर उनको पकणा, और अल्लाहका

धकाभ ० कुल लिल्लम्नीना इ-इरू स-तुर्लभूना व तुह-शरूना धला
अज्जभ सप्त. इरमा दो काकिरोसे कोई दम जाता है के तुम मगलूभ छोगे और दोउभकी तरक

جَهَنَّمَ ۚ وَبِئْسَ الْهَذَا ۚ قَدْ كَانَ لَكُمْ آيَةٌ
فِي فُتُوتِنِ الثَّقَاتِ ۚ فَتَةً ۚ تَقَاتِلُ فِي سَبِيلِ اللَّهِ
وَأُخْرَى كَافِرَةٌ ۚ يَذَرُونَهُمْ مَثَلِهِمْ رَأَى الْعَيْنُ
وَاللَّهُ يُؤَيِّدُ بِنَصْرِهِ ۚ مَنْ يَشَاءُ ۚ إِنَّ فِي ذَلِكَ لَعِبْرَةً
لِّأُولِي الْأَبْصَارِ ۚ رُبَّنَّ لِلنَّاسِ حُبُّ الشَّهَوَاتِ
مِنَ النِّسَاءِ وَالْبَنِينَ وَالْقَنَاطِيرِ الْمُقَنْطَرَةِ
مِنَ الذَّهَبِ وَالْفِضَّةِ وَالْخَيْلِ الْمُسَوَّمَةِ وَ
الْأَنْعَامِ وَالْحَرْثِ ۚ ذَلِكَ مَتَاعُ الْحَيَاةِ الدُّنْيَا
وَاللَّهُ عِنْدَهُ حُسْنُ الْمَآبِ ۚ قُلْ أَوْفَيْتُكُمْ
بِخَيْرٍ مِّنْ ذَلِكَ ۚ لِلَّذِينَ اتَّقَوْا عِنْدَ رَبِّهِمْ
جَنَّاتٌ تَجْرِي مِنْ تَحْتِهَا الْأَنْهَارُ خَالِدِينَ فِيهَا
وَأَزْوَاجٌ مُّطَهَّرَةٌ وَرِضْوَانٌ مِّنَ اللَّهِ ۚ وَاللَّهُ
بَصِيرٌ بِالْعِبَادِ ۚ الَّذِينَ يَقُولُونَ رَبَّنَا إِنَّنَا آمَنَّا

मंय यशाय् ७ धन्ना ही मालिका ल-धुवतल लि-उलिल अउसार ०
जिसे याहता है, बेशक इसमें अकलमन्दों के लिये जरूर देभकर सीपना है.

मुख्यना लिन्नासि हुब्बुश श-हवाति मिनन निसाध वल
लोगोंके लिये आरासता की गयी इन ज्वाहिशोंकी मुहब्बत, औरतों और

जनीना वल इनातीरिल मुकन्त-रति मिनम् म-हजि वल इद-दति
बेटे और तले उपर सोने चाँदीके ढेर,

वल जयलिल मुसव्व-मति वल अन्नामि वल हर्स् ७ मालिका
और निशान किअे हुअे घोणे और यौपाअे और भेती, ये

मताउिल हयातिद दुन्या ८ वल्लाहु धन्दहू हुस्नुल मआज ० कुल
जती दुनियाकी पूंछ है. और अल्लाह है जिसके पास अच्छा ठिकाना. तुम करमाओ

अ-इनजिउकुम जि-जय्रिम मिन मालिकुम ७ लिल्लमीनत तफ्प्
क्या मैं तुम्हें इससे बेहतर चीज बता दूँ, परहेजगारों के लिये

धन्दा रजिहिम जन्नातुन तजरी मिन तहतिहल अन्हारु जालिदीना
उनके रब के पास जन्मतें हैं जिनके नीचे नेहरें रवां, हमेशा उनमें रहेंगे

हीहा व अमवाजुम मुतह-ह-रतुप् व रिदवानुम मिनल्लाह ७ वल्लाहु
और सुधरी बीबियां और अल्लाहकी पुशनुदी, और अल्लाह

जसीरुम जिल धजाह ८ अल्लमीना यकूलूना रज्जनों धन्ननों आमन्ना
बन्दोंको देभता है. वो जो केहते हैं अय रब हमारे ! हम ईमान लाअे

فَاغْفِرْ لَنَا ذُنُوبَنَا وَهِنَا عَذَابَ النَّارِ ۝ الصَّابِرِينَ ۝
 الصَّادِقِينَ ۝ وَالْقَانِتِينَ ۝ وَالْمُسْتَقِيمِينَ ۝ وَالْمُسْتَغْفِرِينَ
 بِالْأَسْحَارِ ۝ شَهِدَ اللَّهُ أَنَّهُ لَا إِلَهَ إِلَّا هُوَ ۝
 الْمَلِكُ ۝ وَأُولُوا الْعِلْمِ قَالُوا بِالْقِسْطِ ۝ لَا إِلَهَ إِلَّا
 هُوَ الْعَزِيزُ الْحَكِيمُ ۝ إِنَّ الَّذِينَ عِنْدَ اللَّهِ لَإِذَا
 وَمَا اخْتَلَفَ الَّذِينَ أَوْتُوا الْكِتَابَ إِلَّا مِنْ بَعْدِ
 مَا جَاءَهُمُ الْعِلْمُ بَغْيًا بَيْنَهُمْ ۝ وَمَنْ يَكْفُرْ
 بِآيَاتِ اللَّهِ فَإِنَّ اللَّهَ سَرِيعُ الْحِسَابِ ۝ فَإِنْ
 حَاجُّوكَ فَقُلْ أَسْلَمْتُ وَجْهِيَ لِلَّهِ وَمَنِ اتَّبَعَنِ ۝
 وَقُلْ لِلَّذِينَ أُوتُوا الْكِتَابَ وَالْأَرْضِينَ ۝ أَسْلَمُوا
 فَإِنْ أَسْلَمُوا فَقَدِ اهْتَدَوْا ۝ وَإِنْ تَوَلَّوْا فَإِنَّمَا
 عَلَيْكَ الْبَلْعُ ۝ وَاللَّهُ بِمَا يَصْنَعُونَ بَالِغٌ ۝ إِنَّ
 الَّذِينَ يَكْفُرُونَ بِآيَاتِ اللَّهِ وَيَقْتُلُونَ النَّبِيَّ

ફરિફર લના મુનૂ-બના વ ફિના
 તો હમારે ગુનાહ મુઆફ કર ઓર હમેં
 અમ્માબન નાર ઈ અરસાબિરીના વસ
 દોઝખ કે અઝાબ સે બચા લે. સબ્રવાલે ઓર
 સાદિફીના વલ ફાનિતીના વલ મુન્ફિફીના
 સચ્ચે ઓર અદબવાલે ઓર રાહે ખુદામે ખરચને વાલે

વલ મુસ્તરિફીરીના બિલ અસ્હાર
 ઓર પિછલે પહેરસે મુઆફી માંગનેવાલે.
 શહિદલ્લાહુ અન્નહૂ લો ઇલાહા ઇલ્લા
 અલ્લાહને ગવાહી દી કે ઉસકે સિવા કોઈ મા'બૂદ નહીં,
 હુવા ૧ વલ મલોઇ-કતુ વ ઉલુલ ઇલ્મિ
 ઓર ફરિશ્તોને ઓર આલિમોને

ફાઇમમ બિલ ફિસ્ત ૫ લો ઇલાહા ઇલ્લા હુવલ અમીમુલ
 ઇ-સાફ સે કાઇમ હોકર, ઉસકે સિવા કિસીકી ઇબાદત નહીં ઇઝ્જત વાલા
 હકીમ ઈ ઇન્નદ દીના ઇન્દલ્લાહિલ ઇસ્લામ ૫ વ મફ્ત-લફલ લમ્નીના
 હિક્મત વાલા બેશક અલ્લાહકે યહાં ઇસ્લામ હી દીન હૈ, ઓર ફૂટમેં ન પળે

ઉતુલ કિતાબા ઇલ્લા મિમ બરહિ મા જ-અહુમુલ ઇલ્મુ બરયમ
 કિતાબી મગર બાદ ઇસકે કે ઉન્હેં ઇલ્મ આ ચુકા અપને દિલોંકી જલન સે,
 બય-નહુમ ૫ વ મય્ ચકફુર બિ-આયાતિલ્લાહિ ફ-ઇન્નલ્લાહા સરીફિલ
 ઓર જો અલ્લાહકી આયતોંકા મુન્કિર હો તો બેશક અલ્લાહ જલ્દ

હિસાબ ૦ ફ-ઇન હોજ્જૂકા ફ-ફુલ અસ્લમ્તુ વજિહયા લિલ્લાહિ વ મનિત
 હિસાબ લેનેવાલા હૈ. ફિર અય મહબૂબ અગર વો તુમસે હુજ્જત કરેં તો ફરમા દો, મૈં અપના મુંહ
 ત-બઅન ૫ વ ફુલ લિલ્લમ્નીના ઉતુલ કિતાબા વલ ઉમ્મિયીના
 અલ્લાહકે હુજ્જત મુકાએ હું ઓર જો મેરે પૈર હુએ, ઓર કિતાબિયોં ઓર અનપણોં સે ફરમાઓ,

અ-અસ્લમ્તુમ ૫ ફ-ઇન અસ્લમૂ ફ-ફદિહ-તદ્ ૮ વ ઇન તવલ્લવ
 ક્યા તુમને ગરદન રખ્મી? પસ અગર વો ગરદન રખ્મેં જબતો રાહ પા ગએ ઓર અગર મુંહ ફેરેં
 ફ-ઇન્નમા અલય્કલ બલાગ ૫ વલ્લાહુ બસીરુમ બિલ ઇબાદ ઈ ઇન્નલ
 તો તુમપર તો યહી હુકમ પહુચા દેના હૈ, ઓર અલ્લાહ બન્દોંકો દેખ રહા હૈ. વો

લમ્નીના ચકફૂરૂના બિ-આયાતિલ્લાહિ વ ચફતુલૂનન નબિયીના
 જો અલ્લાહકી આયતોંસે મુન્કિર હોતે ઓર પૈગમ્બરોંકો નાહક શહીદ કરતે

بِغَيْرِ حَقٍّ ۖ وَيَقْتُلُونَ الَّذِينَ يَأْمُرُونَ بِالْقِسْطِ
مِنَ النَّاسِ ۖ فَبَشِّرْهُمْ بِعَذَابٍ أَلِيمٍ ۝ أُولَٰئِكَ
الَّذِينَ حَبِطَتْ أَعْمَالُهُمْ فِي الدُّنْيَا وَالْآخِرَةِ ۖ وَمَا
لَهُمْ مِنْ نَصْرِينَ ۝ أَلَمْ تَرَ إِلَى الَّذِينَ أُوتُوا نَصِيبًا
مِّنَ الْكِتَابِ يُدْعَوْنَ إِلَى كِتَابِ اللَّهِ لِيَحْكُمَ بَيْنَهُمْ
ثُمَّ يَتَوَلَّى فَرِيقٌ مِّنْهُمْ وَمَهُمْ مُّعْرِضُونَ ۝
ذَٰلِكَ بِأَنَّهُمْ قَالُوا لَنْ تَبَسُّطَ النَّارُ إِلَّا أَيَّامًا
مَّعْدُودَاتٍ ۖ وَغَرَّبَهُمْ فِي دِينِهِمْ مَا كَانُوا
يَفْتَرُونَ ۝ فَكَيْفَ إِذَا جُمِعْتُمْ لِيَوْمٍ لَا رَيْبَ
فِيهِ ۖ وَوُفِّيَتْ كُلُّ نَفْسٍ مَّا كَسَبَتْ وَهُمْ لَا
يُظْلَمُونَ ۝ قُلِ اللَّهُمَّ مَلِكُ الْمَلِكِ تُؤْتِي الْمَلِكَ
مَنْ تَشَاءُ وَتَنْزِعُ الْمَلِكَ مِمَّنْ تَشَاءُ ۖ وَتُعْزِزُ
مَنْ تَشَاءُ وَتُذِلُّ مَنْ تَشَاءُ ۖ بِيَدِكَ الْخَيْرُ إِنَّكَ

भि-गय्ति हकिंप् ५ व यहुतुलूनल
और

लगीना यर-मरूना भिल किस्ति भिनन
ध-साइका हुकम करने वालोंको कत्ल करते हैं

नासि ५ इ-अशिशरहुम भि-अग्नाभिन
उन्हें पुशभभरी दो दईनाक अजाय की.

अलीम ० उलोयकुल लगीना हभितत
ये हैं वो जिनके आ'माल अकारत गये

अर-मालुहुम हिद हुन्या पल आपि-रति ३
हुनिया व आपिरत में,

पमा लहुम भिन नासिरीन ० अ-लम
और उनका कोई मददगार नहीं. क्या

तरा धलल लगीना उतू नसीभम भिनल किताभि युदअप्ना
तुमने उन्हें न देया जिन्हें किताबका अेक हिस्सा मिला

धला किताबिल्लाहि लि-यहकुमा जय-नहुम सुम्मा य-तपला
किताबुल्लाहकी तरफ बुलाये जाते हैं के वो उनका ईसला करे फिर

इरीकुम भिन्हुम व हुम मुर-रिदून ० गालिका भि-अन्नहुम इालू
उनमेंका अेक गिरोह उससे इगरदां छोकर फिर जातां है. ये जरअत उन्हें एसलिये हुई के वो केहते हैं

लन तमस्सनन नारु धल्ला अय्यामम मर-दूदातिंप् ७ व गर-रहुम
हरगिज उमें आग न धूअेगी मगर गिन्तीके दिनोँ, और उनके दीनमें उन्हें

ही दीनिहिम मा कानू यर-तरून ० इ-कय्हा धग्ना जमर-नाहुम
इरेभ दिया उस जूट ने जो बांधते थे. तो कैसी होगी जब हम उन्हें धकटा करेंगे

लि-यव्मिल ला रय्भा हीह ८ व पुइ-हियत कुल्लु नइसिम मा इ-सजत
उस दिन के लिये जिसमें शक नहीं, और हर जानको उसकी कमाई पूरी भर दी जायेगी

पहुम ला युग्ग-लमून ० कुलिल्लाहुम्मा मालिकल मुल्कि तुय-तिल
और उनपर जुल्म न होगा. यूँ अर्ज कर, अय अल्लाह मुल्क के मालिक

मुल्का मन तशौहि व तन्जिहिल मुल्का मिम्मन तशौहि ३ व तुधग्गु
तूजिसे याहे सल्तनत दे और जिससे याहे सल्तनत छीन ले और जिससे याहे धग्गुत दे

मन तशौहि व तुजिहिल मन तशौय् ७ भि-यहिकल भेर ७ धन्नका
और जिससे याहे जिल्लत दे, सारी लवाई तेरे ही हाथ है, बेशक तू

عَلَىٰ كُلِّ شَيْءٍ قَدِيرٌ ۖ تُولِجُ اللَّيْلَ فِي النَّهَارِ وَ
تُولِجُ النَّهَارَ فِي اللَّيْلِ وَتُخْرِجُ الْحَيَّ مِنَ الْمَيِّتِ
وَتُخْرِجُ الْمَيِّتَ مِنَ الْحَيِّ وَتَرْفُقُ مَنْ تَشَاءُ
بِغَيْرِ حِسَابٍ ۚ لَا يَتَّخِذُ الْمُؤْمِنُونَ الْكَافِرِينَ
أَوْلِيَاءَ مِنْ دُونِ الْمُؤْمِنِينَ ۚ وَمَنْ يَفْعَلْ ذَلِكَ
فَلَيْسَ مِنَ اللَّهِ فِي شَيْءٍ إِلَّا أَنْ تَتَّقُوا مِنْهُمْ
تَقِيَةً ۚ وَيُحَذِّرُكُمُ اللَّهُ نَفْسَهُ ۚ وَإِلَى اللَّهِ الْمَصِيرُ ۚ
قُلْ إِنْ تَحْفَظُوا مَا فِي صُدُورِكُمْ أَوْ تُبْذَرُوا يَحْفَظُهُ
اللَّهُ ۚ وَيَعْلَمُ مَا فِي السَّمُوتِ وَمَا فِي الْأَرْضِ ۚ
وَاللَّهُ عَلَىٰ كُلِّ شَيْءٍ قَدِيرٌ ۚ يَوْمَ تَجِدُ كُلَّ
نَفْسٍ مَّا عَمِلَتْ مِنْ خَيْرٍ مُحْضَرًا ۚ وَمَا عَمِلَتْ
مِنْ سُوءٍ تَوَدُّ لَوْ أَنَّ بَيْنَهَا وَبَيْنَهُ أَمَدًا بَعِيدًا ۚ
وَيُحَذِّرُكُمُ اللَّهُ نَفْسَهُ ۚ وَاللَّهُ رَءُوفٌ بِالْعِبَادِ ۚ

અણા કુલ્લિ શય્ઘન ફદીર ૦ તૂલિજુલ

સબ કુછ કર સક્તા હે. તૂદિન કા હિસ્સા

લય્લા ફિન નહારિ વ તૂલિજુન નહારા

રાતમેં ડાલે ઓર રાતકા હિસ્સા દિનમેં ડાલે

ફિલ લય્લિ ૩ વ તુજિજુલ હય્યા મિનલ

ઓર મુરદા સે જિન્દા નિકાલે

મય્યિતિ વ તુજિજુલ મય્યિતા મિનલ

ઓર જિન્દા સે મુરદા નિકાલે

હરિય ૩ વ તરમુફુ મન તશાઉ

ઓર જિસે યાહે

બિ-ગયરિ હિસાબ ૦ લા યત્તખિજિલ

બે-ગિન્તી દે.

મુર-મિનૂનલ કાફિરીના અવ્લિયાઆ મિન દૂનિલ મુર-મિનીન ૮

મુસલમાન કાફિરોંકો અપના દોસ્ત ન બના લેં મુસલમાનોંકે સિવા,

વ મંય્ યફ-અલ ઝાલિકા ફ-લય્સા મિનલ્લાહિ ફી શય્ઘન

ઓર જો એસા કરેગા ઉસે અલ્લાહ સે કુછ અલાકા ન રહા,

ઇલ્લો અન તત્તફૂ મિન્હુમ તુફાહ ૭ વ યુહમ્મિરુકુમુલ્લાહુ નફ-સહ ૭

મગર યે કે તુમ ઉનસે કુછ ડરો, ઓર અલ્લાહ તુમ્હે અપને ગઝબ સે ડરાતા હે

વ ઇલલ્લાહિલ મસીર ૦ ફુલ ઘન તુજ્ફૂ મા ફી સુદૂરિકુમ અવ્ તુબ્દૂહ

ઓર અલ્લાહ હી કી તરફ ફિરના હે. તુમ ફરમા દો કે અગર તુમ અપને જી કી બાત છુપાઓ યા ઝાહિર કરો,

યર-લમ્હુલ્લાહ ૭ વ યર-લમુ માફિસ સમાવાતિ વ માફિલ અર્દ ૭

અલ્લાહકો સબ મા'લૂમ હે, ઓર જાનતા હે જો કુછ આમાનોંમેં હે ઓર જો કુછ ઝમીનમેં હે

વલ્લાહુ અણા કુલ્લિ શય્ઘન ફદીર ૦ યવ્મા તજિદુ ફુલ્લુ નફસિમ

ઓર હર ચીઝ પર અલ્લાહકા કાબૂ હે. જિસદિન હર જાન ને

મા અમિલત મિન ખયરિમ મુહ-દરંવ્ ૮ વમા અમિલત મિન સૂઅ ૮

જો ભલા કામ કિયા હાઝિર પાએગી, ઓર જો બુરા કામ કિયા

તવદ-દુ લવ્ અન્ના બય-નહા વ બય-નહૂ અ-મદમ બઈદા ૭

ઉમ્મીદ કરેગી કાશ મુઝમેં ઓર ઇસમેં દૂર કા ફાસલા હોતા,

વ યુહમ્મિરુકુમુલ્લાહુ નફ-સહ ૭ વલ્લાહુ રઊકુમ બિલ ઇબાદ ૮

ઓર અલ્લાહ તુમ્હે અપને અઝાબ સે ડરાતા હે, ઓર અલ્લાહ બન્દોં પર મેહરબાન હે.

قُلْ إِنْ كُنْتُمْ تُحِبُّونَ اللَّهَ فَاتَّبِعُونِي يُحْبِبْكُمُ اللَّهُ وَيَغْفِرْ لَكُمْ ذُنُوبَكُمْ ۗ وَاللَّهُ غَفُورٌ رَحِيمٌ ۝
قُلْ أَطِيعُوا اللَّهَ وَالرَّسُولَ ۚ فَإِنْ تَوَلَّوْا فَإِنَّ اللَّهَ لَا يُحِبُّ الْكَافِرِينَ ۝ إِنْ اللَّهُ أَصْطَفَىٰ آدَمَ وَ
نُوحًا وَآلَ إِبْرَاهِيمَ وَآلَ عِمْرَانَ عَلَى الْعَالَمِينَ ۝
ذُرِّيَّتَهُ بَعْضَهَا مِنْ بَعْضٍ ۖ وَاللَّهُ سَمِيعٌ عَلِيمٌ ۝
إِذْ قَالَتِ امْرَأَتُ عِمْرَانَ رَبِّ إِنِّي نَذَرْتُ لَكَ
مَا فِي بَطْنِي مُحَرَّرًا فَتَقَبَّلْ مِنِّي ۖ إِنَّكَ أَنْتَ
السَّمِيعُ الْعَلِيمُ ۝ فَلَمَّا وَضَعَتْهَا قَالَتْ رَبِّ
إِنِّي وَضَعْتُهَا أُنْثَىٰ ۖ وَاللَّهُ أَعْلَمُ بِمَا وَضَعْتَ وَلَيْسَ
الذَّكَرُ كَالْأُنْثَىٰ ۖ وَإِنِّي سَمَّيْتُهَا مَرْيَمَ ۖ وَإِنِّي
أَعِيزُهَا بِكَ وَذُرِّيَّتَهَا مِنَ الشَّيْطَانِ الرَّجِيمِ ۝
فَتَقَبَّلَهَا رَبُّهَا بِقَبُولٍ حَسَنٍ ۖ وَأَنْبَتَهَا نَبَاتًا
حَسَنًا

कुल धन कुन्तुम तुहिउनुनलाहा।

अय महुनुन तुम इरमा हो के लोगो अगर तुम अल्लाहको दोस्त रખते हो

इत्तभिउनी युहभिउकुमुल्लाहु व

तो मेरे इरमा-बरदार हो जाओ अल्लाह तुम्हें दोस्त रખेगा और

यहिइर लकुम मुनू-भकुम ७ वल्लाहु

तुम्हारे गुनाह भुश देगा, और अल्लाह

गुहुर रहीम ० कुल अतीउल्लाहा।

भुशनेवाला मेहरमान है। तुम इरमा हो के हुकम मानो अल्लाह

वर-रसूल ८ इ-धन तवल्लव्

और रसूल का, फिर अगर वो मुंड इरे

इ-धन्नल्लाहा ला युहिउनुल काहिरिन ०

तो अल्लाहको भुश नहीं आते काहिर।

धन्नल्लाहइतइ आ-दमा व नूहंप् व आला धवराहीमा व

भेशक अल्लाहने युन लिया आदम और नूह और धवराहीम की आल औलाद और

आला धमराना अलल आ-लमीन ० मुररियतम भरहुहा मि भरहु ७

धमरान की आल को सारे जहां से। ये एक नसल है एक दूसरे से,

वल्लाहु समीउन अलीम ० धम्र इ-लतिम-र-अतु धमराना रजि

और अल्लाह सुनता जानता है। जब धमरान की बीबी ने अर्ज की, अय रब मेरे

धन्नी न-मरतु लका मा इी भन्नी मुहर-ररन इ-तइउनुल मिन्नी ८

मैं तेरे लिये मन्त मानती हूँ जो मेरे पेटमें है के बालिस तेरीही भिदमतमें रहे, तो तू मुझसे कुबूल करले,

धन्नका अन्तस समीउन अलीम ० इ-लम्मा व-दअत्हा इालत रजि

भेशक तू ही है सुनता जानता। फिर जब उसे जना, बोली अय रब मेरे

धन्नी वदर-तुहो इन्सा ७ वल्लाहु अर-लमु जिमा व-दअत ७

ये तो मैंने लणकी जनी, और अल्लाहको भूष मा'लूम है जो कुछ वो जनी,

व लय्सम म-करु कल इन्सा ८ व धन्नी सम्मय्तुहा मर-यमा

और वो लणका जो उसने मांगा इस लणकी सा नहीं, और मैंने इसका नाम मरियम रખा,

व धन्नी उधमुहा जिका व मुररियत-तहा मिनश शय्तानिर रजुम ०

और मैं इसे और इसकी औलाद को तेरी पनाहमें देती हूँ रा-दे हुअे शैतान से।

इ-तइउनुल-लहा रउनुहा मि-इनुलिन इ-सनिंप् व सम्म-तहा नभातन

तो उसे उसके रब ने अच्छी तरह कुबूल किया और उसे अखण परवान यण्डाया,

حَسْبًا ۖ وَكَفَّلَهَا زَكَرِيَّا ۖ كُلَّمَا دَخَلَ عَلَيْهَا زَكَرِيَّا
الْمِحْرَابَ ۖ وَجَدَ عِنْدَهَا رِزْقًا ۚ قَالَ يَرِيْمُ اَنْ
لَكَ هٰذَا ۖ قَالَتْ هُوَ مِنْ عِنْدِ اللَّهِ ۚ اِنَّ اللَّهَ يَرْزُقُ
مَنْ يَشَاءُ بِغَيْرِ حِسَابٍ ۝ هُنَالِكَ دَعَا زَكَرِيَّا
رَبَّهُ ۚ قَالَ رَبِّ هَبْ لِي مِنْ لَدُنْكَ ذُرِّيَّةً
طَيِّبَةً ۚ اِنَّكَ سَمِيعُ الدُّعَاءِ ۝ فَتَنَادَتْهُ الْمَلَائِكَةُ
وَهُوَ قَائِمٌ يُصَلِّي فِي الْمِحْرَابِ ۚ اَنَّ اللَّهَ يَبَشِّرُكَ
بِغُلَامٍ مُّصَدِّقًا ۚ بَلَغْنِي الْكِبَرَ وَاسْتَدَا وَحْصُورًا
وَنَبِيًّا ۚ مِنَ الصّٰلِحِيْنَ ۝ قَالَ رَبِّ اَنْتَ يَكُوْنُ
لِي عِلْمٌ وَّ قَدْ بَلَغْنِي الْكِبَرَ وَاسْتَدَا وَحْصُورًا
قَالَ كَذٰلِكَ اَلَّهُ يَفْعَلُ مَا يَشَاءُ ۝ قَالَ رَبِّ
اجْعَلْ لِّيْ اٰيَةً ۚ قَالَ اِيَّتُكَ اَلَّا تَكَلِّمُ النَّاسَ
ثَلَاثَةَ اَيَّامٍ اِلَّا رَمْرًا ۚ وَاذْكُرْ رَبَّكَ كَثِيْرًا وَّ

سَبِّحْ بِحَمْدِ رَبِّكَ

مَنْزِل

75

ह-सनंप् १ व कइ-इ-लहा म-करिया ८

और उसे जकरिया की निगेडबानी में दिया,

कुलमा द-भला अलय्हा म-करियाल

जब जकरिया उसके पास उसकी नमाज पण्डने की

मिहराभा १ व-जहा धन्हा रिमडा ८

जगड जाते उसके पास नया रिजक पाते,

डाला या मर्यमु अन्ना लकि हागा ८

कहा अय मरियम ये तेरे पास कहांसे आया

डालत हुवा मिन धन्हिल्लाह ८ धन्नल्लाह

भोलीं, वो अल्लाहके पाससे है, बेशक अल्लाह

यरमुकु मंय यशाहि नि-गय्रि हिसाभ ०

जिसे थाडे

बे-गि-ती दे.

हुनालिका दया म-करिया रब्जह ८ डाला रजिज हडली

यहां पुकारा जकरिया ने अपने रब को, बोला अय रब मेरे, मुझे

मिल लहुन्का मुररियतन तय्यिजह ८ धन्नका समीउद दुआय् ०

अपने पाससे दे सुथरी औलाद, बेशक तू ही है हुआ सुनने वाला.

इ-नादल्लुल मलाध-कुतु वहुवा इधमुंय युसल्ली झिल मिहराभि १

तो इरिशतोंने उसे आवाज दी और वो अपनी नमाजकी जगड भणा नमाज पण्ड रहा था,

अन्नल्लाह युजशिरुका नि-यहया मुसददिकम नि-कलि-मतिम

बेशक अल्लाह आपको मुजदा देता है यहया का जो अल्लाहकी तरफके अक कलिमे की तसदीक करेगा

मिनल्लाहि व सय्यिदंप् व हसूरंप् व नभिय्यम मिनस सलिलीन ०

और सरदार और हमेशा के लिये औरतोंसे बचनेवाला और नभी हमारे भास्सों मेंसे.

डाला रजिज अन्ना यकूनु ली गुलामुंप् व इद न-ल-गनियल कि-भरु

बोला, अय मेरे रब, मेरे लणका कहांसे डोगा मुझे तो पहुंच गया बुण्डापा

वमर-अती अकिर ८ डाला कगालिकल्लाहु यइ-अलु मा यशाय् ०

और मेरी औरत भांज, इरमाया, अल्लाह यूंही करता है जो थाडे.

डाला रजिजअल ली आयह ८ डाला आ-यतुका अल्ला तुकल्लिमन

अर्ज की, अय मेरे रब, मेरे लिये कोई निशानी करदे, इरमाया, तेरी निशानी ये है के

नासा सला-सला अय्यामिन धल्ला रभा ८ वमरु रब्जका कसीरंप् व

तीन दिन तू लोगोंसे बात न करे मगर ईशारे से, और अपने रब की बहुत याद कर, और

سَيَحْيَىٰ بِالْعِشَىٰ وَالْإِبْكَارِ ۖ وَإِذْ قَالَتِ الْمَلَكَةُ
يَمْرَيْمُ إِنَّ اللَّهَ اصْطَفَاكِ وَطَهَّرَكِ وَاصْطَفَاكِ
عَلَىٰ نِسَاءِ الْعَالَمِينَ ۖ يَمْرَيْمُ اقْنِئِي لِرَبِّكِ
وَاسْجُدِي وَارْكَعِي مَعَ الرَّاكِعِينَ ۚ ذَلِكَ مِنْ
أَنْبَاءِ الْغَيْبِ يُوحِيهِ إِلَيْكَ وَمَا كُنْتَ لَدَيْهِمْ
إِذْ يُلْقُونَ أَقْلَامَهُمْ أَيُّهُمْ يَكْفُلُ مَرْيَمَ ۚ وَمَا
كُنْتَ لَدَيْهِمْ إِذْ يَخْتَصِمُونَ ۚ إِذْ قَالَتِ الْمَلَكَةُ
يَمْرَيْمُ إِنَّ اللَّهَ يُبَشِّرُكِ بِكَلِمَةٍ مِنْهُ ۖ هِيَ
اسْمُهُ الْمَسِيحُ عِيسَى ابْنُ مَرْيَمَ وَجِهًا فِي
الدُّنْيَا وَالْآخِرَةِ ۚ وَمِنَ الْمُقَرَّبِينَ ۚ وَيَكْلِمُ
النَّاسَ فِي الْمَهْدِ وَكَهْلًا وَمِنَ الصَّالِحِينَ ۚ
قَالَتْ رَبِّ أَنَّىٰ يَكُونُ لِي وَلَدٌ وَلَمْ يَمْسَسْنِي بَشَرٌ
قَالَ كَذَلِكَ قَالَ اللَّهُ يَخْلُقُ مَا يَشَاءُ ۚ وَإِذَا قَضَىٰ

أَمْرًا فَإِنَّمَا

مَنْزِلًا

76

सज्जिह मिल अशिथि वल धठ्कार ॐ
कुछ दिन रहे और तणके उसकी पाकी भोल.
व धम्र फा-लतिल मलाध-कुतु या मर-यमु
और जब हरिश्तोने कडा अय भरियम
धन्नल्लाहस्तुहाकि व तह-ह-रकि
बेशक अल्लाहने तुजे युन लिया और भूष सुधरा किया
वस्तुहाकि अला निसाधल आ-लमीन ०
और आज सारे जहांकी औरतोसे तुजे पसन्द किया.
या मर-यमुकु-नुती लि-रज्जिहकि
अय भरियम अपने रब के हुजूर अदब से जणी हो
वस्तुही वर-कध मअर राकिधन ०
और उसके दिअे सज्जद कर और रुकूअ वालोके साथ रुकूअ कर

गालिका मिन अम्माधल गय्मि नूहीहि धलेक ५ वमा कुन्ता
ये गैबकी जबरें हैं के हम जुझिया तौर पर तुम्हें बताते हैं, और तुम

लद्यहिम धम्र युल्हून अफला-महुम अय्युहुम यकुलु मर्यम ५
उनके पास न थे जब वो अपनी कलमोंसे कुरआ डालते थे के भरियम किसकी परवरिशमें रहें

वमा कुन्ता लद्यहिम धम्र यप्तसिमून ० धम्र फा-लतिल
और तुम उनके पास न थे जब वो जगण रहे थे. और याद करो जब

मलाध-कुतु या मर-यमु धन्नल्लाह युजशिरुकि जि-कलि-मतिम
हरिश्तोने भरियम से कडा अय भरियम अल्लाह तुजे बशारत देता है अपने पाससे ओक कलिमे की

मिन्हुस- ६ मुहुल मसीहु धसन्नु मर-यमा वजुहन हिद हुन्या
जिसका नाम है मसीह इसा भरियमका बेटा इदार होगा हुनिया

वल आभि-रति व मिनल मुफर-रमीन ० व युक्लिमुन नासा
और आभिरत में, और कुर्ब वाला. और लोगोंसे बात करेगा

हिल महदि व कहलंप् व मिनस सालिहीन ० फालत रज्जि
पालने में और पक्की उम्र में, और भास्सोंमें होगा. बोली अय मेरे रब!

अन्ना यकूनु ली व-लहुंप् व लम यम्सस्नी जशर ५
मेरे बय्या कहांसे होगा मुजे तो किसी शप्सने हाथ न लगाया

फाला कगालिकिल्लाहु यप्पुक्कु मा यशाअ् ५ धम्रा कदो
करमाया, अल्लाह यूही पैदा करता है जो चाहे, जब

أَمْرًا فَإِنَّمَا يَقُولُ لَهُ كُنْ فَيَكُونُ ۝ وَيُعَلِّمُهُ
الْكِتَابَ وَالْحِكْمَةَ وَالتَّوْرَةَ وَالْإِنْجِيلَ ۝ وَرَسُولًا
إِلَى بَنِي إِسْرَءِيلَ ۚ أَنِّي قَدْ جِئْتُكُمْ بِبَيِّنَةٍ
مِّن رَّبِّكُمْ ۚ إِنِّي أَخْلَقْتُ لَكُمْ مِّنَ الطِّينِ كَهَيْئَةِ
الطَّيْرِ فَأَنْفُخُ فِيهِ فَيَكُونُ طَيْرًا بِإِذْنِ اللَّهِ ۚ وَأُبْرِئُ
الْكُفَّةَ وَالْأَبْرَصَ وَأُخْرِى الْمَوْتَى بِإِذْنِ اللَّهِ
وَأُنَبِّئُكُمْ بِمَا تَأْكُلُونَ وَمَا تَدْخِرُونَ ۖ فِي
بُيُوتِكُمْ ۚ إِنَّ فِي ذَلِكَ لَآيَةً لِّكُم إِن كُنْتُمْ
مُؤْمِنِينَ ۝ وَمُصَدِّقًا لِّمَا بَيْنَ يَدَيَّ مِنَ
التَّوْرَةِ وَلِإِجْلٍ لَّكُمْ بَعْضَ الَّذِي حُرِّمَ عَلَيْكُمْ
وَجِئْتُكُمْ بِبَيِّنَةٍ مِّن رَّبِّكُمْ ۖ فَاتَّقُوا اللَّهَ ۚ
أَطِيعُوا ۝ إِنَّ اللَّهَ رَبِّي وَرَبُّكُمْ فَاعْبُدُوهُ ۚ
هَذَا صِرَاطٌ مُسْتَقِيمٌ ۝ فَلَمَّا أَحَسَّ عِيسَىٰ مِنْهُمُ
الْكَفْرَ

अमरन इ-धन्नमा यकुलु लहू कुन
किसी कामका हुकम इरमाओ तो उससे येही केहता है के छे जा,
इ-यकून ० व युअल्लिमुहुल किताबा
वोझैरनछेजाताहै. और अल्लाह सिजाओगा किताब
वल हिक्मत। पत्तप्राता। वल धन्नुल ०
और डिक्मत और तौरेत और धन्नुल.
व रसूलन धला बनी धसराधला ५
और रसूल छोगा बनी धसराधल की तरफ
अन्नी इह जिह-तुकुम जि-आ-यतिम
ये इरमाता हुवा के मैं तुम्हारे पास अक निशानी लाया हूँ
मिर रजिजकुम है अन्नी अफ़लुहु
तुम्हारे रब की तरफ से के मैं

लकुम मिनत तीनि इ-हय-अतिद तय्रि इ-अन्हुषु कीहि
तुम्हारे लिअे मिट्टीसे परिन्द की सी मूरत बनाता हूँ फिर उसमें झूंक मारता हूँ
इ-यकून तय्रम जि-धज़निल्लाह ८ व डिजिडिल अकमहा
तो वो झैरन परिन्द छे जाती है अल्लाहके हुकम से, और मैं शिक्षा देता हूँ मादरजाद अन्धे
वल अउरसा। व डिहयिल मप्ता जि-धज़निल्लाह ८
और सईद दागवाले को और मैं मुरदे जिलाता हूँ अल्लाह के हुकम से
व डिनजिडिजकुम जिमा तय-कुलूना वमा तह-दज़िरूना ५ की जुयूतिकुम ७
और तुम्हें बताता हूँ जो तुम जाते और जो अपने घरोंमें जमा कर रખते छो,
धन्ना की ज़ालिका ल-आ-यतल लकुम धन कुन्तुम मुर-मिनीन ८
बेशक धन बातोंमें तुम्हारे लिअे बणी निशानी है अगर तुम धिमान रખते छो.
व मुसदहिकल जिमा जय्ना यदय्या मिनत तप्राति व लि-डिहिल्ला लकुम
और तसदीक करता आया हूँ अपने से पेहली किताब तौरेत की और धसलिअे के डलाव करूं तुम्हारे
जय-दल लज़ी हुर्रिमा अलयकुम व जिह-तुकुम जि-आ-यतिम मिर
लिअे कुछ वो थीजें जो तुमपर डराम थीं, और मैं तुम्हारे पास तुम्हारे रब की तरफसे निशानी लाया हूँ
रजिजकुम ८ इत्तकुल्लाह। व अतीज़िन ० धन्नल्लाह। रज्जी व रज्जुकुम
तो अल्लाहसे डरो और मेरा हुकम मानो. बेशक मेरा तुम्हारा सभका रब अल्लाह है,
इ-जुहूह ७ हाज़ा सिरातुम मुस्तज़ीम ० इ-लम्मा अहस्सा धसा मिन्हुमुल
तो उसीको पूजो, ये है सीधा रास्ता. फिर जब धसा ने उनसे कुछ पाया

الْكَفَرُ قَالَ مَنْ أَنْصَارِي إِلَى اللَّهِ قَالَ الْخَوَارِثُونَ
تَحْنُ أَنْصَارُ اللَّهِ أَمَّا بِاللَّهِ وَأَشْهَدُ بِأَنَّا مُسْلِمُونَ
رَبَّنَا أَمَّا بِمَا أَنْزَلْتَ وَاتَّبَعْنَا الرَّسُولَ فَاكْتُبْنَا
مَعَ الشَّاهِدِينَ وَمَكْرُؤًا وَمَكْرَ اللَّهُ وَاللَّهُ خَيْرُ
الْمَكْرِينَ إِذْ قَالَ اللَّهُ يُعِيسِي إِيَّيْ مُتَوَقِّينَ
وَرَأْفَعُكَ إِلَى وَمُطَهِّرُكَ مِنَ الَّذِينَ كَفَرُوا
وَجَاعِلُ الَّذِينَ اتَّبَعُوكَ فَوْقَ الَّذِينَ كَفَرُوا
إِلَى يَوْمِ الْقِيَمَةِ ثُمَّ إِلَى مَرْجِعِكُمْ فَأَحْكُمُ
بَيْنَكُمْ فِيهَا كُنْتُمْ فِيهِ تَخْتَلِفُونَ فَاَمَّا
الَّذِينَ كَفَرُوا فَأَعْدِبْهُمْ عَذَابًا شَدِيدًا فِي
الدُّنْيَا وَالْآخِرَةِ وَمَا لَهُمْ مِنْ نَاصِرِينَ وَأَمَّا
الَّذِينَ آمَنُوا وَعَمِلُوا الصَّالِحَاتِ فَيُوَفِّيهِمْ أَجْرَهُمْ
وَاللَّهُ لَا يَجِبُ الظَّالِمِينَ ذَلِكَ نَتْلُوهُ عَلَيْكَ

مِنْ الْأَنْبِيَاءِ

مَنْزِلًا

78

कुहरा फ़ाला मन अन्सारी धलल्लाह
बोला, कौन मेरे मददगार होते हैं अल्लाह की तरफ़

फ़ालल हवारीयून। नहनु
हवारियों ने कहा, हम

अन्सारुल्लाह ह आमन्ना जिल्लाह ह
दीने भुदके मददगार हैं, हम अल्लाह पर धिमान लाये

वशहद जि-अन्ना मुस्लिमून
और आप गवाह हो जायेंगे कि हम मुसलमान हैं।

रब्बनो आमन्ना जिमो अन्जल्ला
अय रब हमारे ! हम उसपर धिमान लाये जो तूने उतारा

पत्तलर-नर रसूल। इकतुब्ना मअश
और रसूल के ताबेअ हुअे तो हमें उक्त पर गवाही देनेवालोंमें लिख ले

शाहिदीन ० व म-करू व म-करल्लाह व पल्लाहु ज़यूरुल माकिरीन ०

और काफ़िरोने मक़ किया और अल्लाहने उनके उल्लाक़ की भुक्तिया तदबीर करमाई और अल्लाह सभसे बेउतर छुपी तदबीर वाला है।

धम फ़ालल्लाहु या धसो धन्नी मु-तवह-हीका व राहिड़िका धलथ्या
याद करो जब अल्लाहने करमाया, अय धिसा मैं तुजे पूरी उम्र तक पडुंथाउंगा और तुजे अपनी तरफ़ उठावूंगा

व मु-तहहिरुका मिनल लज़ीना इ-इरू व जधलुल लज़ीनत त-जड़िका
और तुजे काफ़िरोसे पाक कर दूंगा और तेरे पैड़ोंको

इवफ़ल लज़ीना इ-इरू धला यवमिल फ़ियामह ह सुम्मा धलथ्या
क्यामत तक तेरे मुन्किरों पर गलबा दूंगा, फिर तुम सभ मेरी तरफ़

मरजिड़िकुम इ-अहकुमु जय-नकुम हीमा कुन्तुम हीहि तप्तलिहून ०
पलटकर आओगे तो मैं तुममें कैसला करमा दूंगा जिस बातमें जगणते हो।

इ-अम्मल लज़ीना इ-इरू इ-उअज़ज़िबुहुम अज़ाजन शदीदन
तो वो जो काफ़िर हुअे मैं उन्हें दुनिया व आभिरत में सप्त अज़ाब करूंगा

इहद दुन्या पल आज़ि-रति ० वमा लहुम मिन नासिरीन ० व अम्मल
और उनका कोई मददगार न होगी। और वो

लज़ीना आ-मनू व अमिलुस सलिलहाति इ-युवह-हीहिम उबू-रहुम
जो धिमान लाये और अच्छे काम किये अल्लाह उनका नेग उन्हें भरपूर देगा

पल्लाहु ला युहिब्बुज़ ज़ालिमीन ० ज़ालिका नल्लूहु अलथ्या
और ज़ालिम अल्लाहको नहीं भाते। ये हम तुमपर पण्डते हैं

مِنَ الْآيَاتِ وَالذِّكْرِ الْحَكِيمِ ۝ إِنَّ مَثَلَ عِيسَى
 عِنْدَ اللَّهِ كَمَثَلِ آدَمَ خَلَقَهُ مِنْ تُرَابٍ ثُمَّ قَالَ
 لَهُ كُنْ فَيَكُونُ ۝ الْحَقُّ مِنْ رَبِّكَ فَلَا تَكُنْ مِنَ
 الْمُمْتَرِينَ ۝ فَمَنْ حَاجَّكَ فِيهِ مِنْ بَعْدِ مَا جَاءَكَ
 مِنَ الْعِلْمِ فَقُلْ تَعَالَوْا نَذْعِ أَبْنَاءَنَا وَابْنَاءَكُمْ
 وَنِسَاءَنَا وَنِسَاءَكُمْ وَأَنفُسَنَا وَأَنفُسَكُمْ ۝
 ثُمَّ نَبْتَهِلْ فَنَجْعَلْ لَعْنَتَ اللَّهِ عَلَى الْكَاذِبِينَ ۝
 إِنَّ هَذَا لَهُوَ الْقَصَصُ الْحَقُّ ۚ وَمَا مِنْ إِلَهٍ إِلَّا
 اللَّهُ ۚ وَإِنَّ اللَّهَ لَهُوَ الْعَزِيزُ الْحَكِيمُ ۝ فَإِنْ
 تَوَلَّوْا فَإِنَّ اللَّهَ عَلِيمٌ بِالْمُفْسِدِينَ ۝ قُلْ يَا أَهْلَ
 الْكِتَابِ تَعَالَوْا إِلَى كَلِمَةٍ سَوَاءٍ بَيْنَنَا وَبَيْنَكُمْ
 أَلَّا نَعْبُدَ إِلَّا اللَّهَ وَلَا نُشْرِكَ بِهِ شَيْئًا وَلَا يَتَّخِذَ
 بَعْضُنَا بَعْضًا أَرْبَابًا مِنْ دُونِ اللَّهِ ۚ فَإِنْ تَوَلَّوْا

فَقُولُوا

مَنْزِلًا

79

મિનલ આયાતિ વઝ મિકરિલ હકીમ ૦

કુછ આયતેં ઓર હિકમત વાલી નસીહત.

ઇન્ના મ-સૂલા ઇસા ઇન્દલ્લાહિ ક-મ-સૂલિ

ઇસા કી કહાવત અલ્લાહ કે નઝદીક

આદમ ૭ ખ-લ-ફહૂ મિન તુરાબિન

આદમ કી તરહ હૈ, ઉસે મિટ્ટી સે બનાયા

સુમ્મા ફાલા લહૂ ફુન ફ-યફૂન ૦

ફિર ફરમાયા, હો જા, વો ફીરન હો જાતા હૈ.

અલ હફ્ફુ મિર રબ્બિકા ફલા તફુમ

અય સુનનેવાલે ! યે તેરે રબ કી તરફ સે હક હૈ, તૂ

મિનલ મુમ્તરીન ૦ ફ-મન હાજજકા

શક વાલોંમેં ન હોના. ફિર અય મહબૂબ જો તુમસે

ફીહિ મિમ બર-દિ મા જા-અકા મિનલ ઇલ્મિ ફ-ફુલ તઅાલવ્ નદિ

ઇસા કે બારે મેં હુજાત કરેં બાદ ઇસકે કે તુમ્હેં ઇલ્મ આ ચુકા તો ઉનસે ફરમા દો આઓ હમ બુલાએં

અબ્ના-અના વ અબ્ના-અફુમ વ નિસા-અના વ નિસા-અફુમ વ

અપને બેટે ઓર તુમ્હારે બેટે ઓર અપની ઓરતેં ઓર તુમ્હારી ઓરતેં ઓર

અન્ફુ-સના વ અન્ફુ-સફુમ ૭ સુમ્મા નબ્તહિલ ફ-નજઅલ લર-નતલ્લાહિ

અપની જાનેં ઓર તુમ્હારી જાનેં, ફિર મુબાહલા કરેં તો જૂટોં પર અલ્લાહ કી લા'નત ડાલેં.

અલલ કામિબીન ૦ ઇન્ના હાજા લ-હુવલ ફ-સસુલ હફ્ફ ૮

યહી બેશક સચ્ચા બયાન હૈ,

વમા મિન ઇલાહિન ઇલ્લલ્લાહ ૭ વ ઇન્નલ્લાહ લ-હુવલ અમીમુલ હકીમ ૦

ઓર અલ્લાહ કે સિવા કોઈ મા'બૂદ નહીં, ઓર બેશક અલ્લાહ હી ગાલિબ હૈ હિકમત વાલા.

ફ-ઇન તવલ્લવ્ ફ-ઇન્નલ્લાહ અલીમુમ બિલ મુફસિદીન ૦ ફુલ યો અહલલ

ફિર અગર વો મુંહ ફેરેં તો અલ્લાહ ફસાદિયોં કો જાનતા હૈ. તુમ ફરમાઓ, અય

કિતાબિ તઅાલવ્ ઇલા કલિ-મતિન સવાઇમ બય-નના વ બય-નફુમ

કિતાબિયો ! એસે કલિમે કી તરફ આઓ જો હમમેં તુમમેં યકસાં હૈ

અલ્લા નર-બુદા ઇલ્લલ્લાહ વલા નુશ્રિકા બિહી શયઅંવ વલા યત્તખિમ્મા

યે કે ઇબાદત ન કરેં મગર ખુદા કી ઓર ઉસકા શરીક કિસીકો ન કરેં ઓર

બર-દુના બર-દન અરબાબમ મિન દૂનિલ્લાહ ૭ ફ-ઇન તવલ્લવ્

હમમેં કોઈ એક દૂસરે કો રબ ન બના લે અલ્લાહ કે સિવા, ફિર અગર વો ન માને

فَقُولُوا اشْهَدُوا بِأَنَّا مُسْلِمُونَ ۝ يَا أَهْلَ الْكِتَابِ
لِمَ تَحْجُونَ فِي إِبْرَاهِيمَ وَمَا أُنْزِلَتِ التَّوْرَةُ
وَالْإِنْجِيلُ إِلَّا مِنْ بَعْدِهِ ۚ أَفَلَا تَعْقِلُونَ ۝ مَا أَنْتُمْ
هَؤُلَاءِ حَاجِبَتُمْ فِي مَا لَكُمْ بِهِ عِلْمٌ فَلِمَ
تَحْجُونَ فِي مَا لَيْسَ لَكُمْ بِهِ عِلْمٌ ۚ وَاللَّهُ يَعْلَمُ
وَأَنْتُمْ لَا تَعْلَمُونَ ۝ مَا كَانَ إِبْرَاهِيمَ يَهُودِيًّا
وَلَا نَصْرَانِيًّا وَلَكِنْ كَانَ حَنِيفًا مُسْلِمًا ۚ وَمَا
كَانَ مِنَ الْمُشْرِكِينَ ۝ إِنَّ أَوَّلَى الْتَّاسِ بِإِبْرَاهِيمَ
لَلَّذِينَ اتَّبَعُوهُ وَهَذَا النَّبِيُّ وَالَّذِينَ آمَنُوا
وَاللَّهُ وَلِيُّ الْمُؤْمِنِينَ ۝ وَذَتْ طَائِفَةٌ مِنْ
أَهْلِ الْكِتَابِ لَوْ يُضِلُّوكُمْ ۚ وَمَا يُضِلُّونَ إِلَّا
أَنْفُسَهُمْ وَمَا يَشْعُرُونَ ۝ يَا أَهْلَ الْكِتَابِ لِمَ
تَكْفُرُونَ بِآيَاتِ اللَّهِ وَأَنْتُمْ تَشْهَدُونَ ۝ يَا أَهْلَ

الكتاب

مزل

80

ફ-ફૂલુરહદૂ બિ-અન્ના મુસ્લિમૂન ○
તો કેહ દો, તુમ ગવાહ રહો કે હમ મુસલમાન હૈં.

યો અહ-લલ કિતાબિ લિમા તુહાજહૂના
અય કિતાબ વાલો !

ફો ઇબ્રાહીમા વમો ઉન્નિ-લતિત
ઇબ્રાહીમ કે બાબ મેં ક્યૂં ઝગળતે હો,

તવરાતુ વલ ઇન્જિલુ ઇલ્લા મિમ
તોરેત વ ઇન્જિલ તો ન ઉતરી મગર

બર-દિહ ટ અ-ફલા તર-ફિલૂન ○
ઉનકે બાદ, તો ક્યા તુમ્હેં અકલ નહીં.

હો-અન્તુમ હો-ઉલોઇ હાજજતુમ
સુનતે હો, યે જો તુમ હો, ઉસમેં ઝગળે

ફીમા લફુમ બિહી ઇલ્મુન ફ-લિમા તુહાજહૂના ફીમા લય્સા
જિસકા તુમ્હેં ઇલ્મ થા, તો ઉસમેં ક્યૂં ઝગળતે હો જિસકા તુમ્હેં

લફુમ બિહી ઇલ્મ ટ વલ્લાહુ યર-લમુ વ અન્તુમ લા તર-લમૂન ○
ઇલ્મ હી નહીં, ઓર અલ્લાહ જાનતા હૈ ઓર તુમ નહીં જાનતે.

મા કાના ઇબ્રાહીમુ યહૂદિયં વ્ વલા નસ્રાનિયં વ્ વ લાકિન
ઇબ્રાહીમ ન યહૂદી થો ઓર ન નસરાની બલકે

કાના હનીફમ મુસ્લિમા ટ વમા કાના મિનલ મુશ્રિકીન ○
હર બાતિલ સે જુદા મુસલમાન થે, ઓર મુશ્રિકોંસે ન થે.

ઇન્ના અવ્લન નાસિ બિ-ઇબ્રાહીમા લલ્લમીનત ત-બહિહુ વ હાઝન
બેશક સબ લોગોંસે ઇબ્રાહીમ કે ઝિયાદા હક્કદાર વો થે જો ઉનકે પૈર હુએ ઓર યે

નબિયુ વલ્લમીના આ-મનૂ ટ વલ્લાહુ વલિયુલ મુર-મિનીન ○ વદ-દત
નબી ઓર ઇમાન વાલે, ઓર ઇમાન વાલોંકા વાલી અલ્લાહ હૈ.

તોઇ-ફતુમ મિન અહલિલ કિતાબિ લવ્ યુદિલ્લૂ-નફુમ ટ વમા યુદિલ્લૂના
કિતાબિયોંકા એક ગિરોહ દિલ સે ચાહતા હૈ કે કિસી તરહ તુમ્હેં ગુમરાહ કરદે, ઓર વો

ઇલ્લો અન્ફુ-સહુમ વમા યશઉરૂન ○ યો અહ-લલ કિતાબિ લિમા
અપને હી આપકો ગુમરાહ કરતે હૈં ઓર ઉન્હેં શુઊર નહીં. અય કિતાબિયો !

તકફૂરૂના બિ-આયાતિલ્લાહિ વ અન્તુમ તરહદૂન ○ યો અહ-લલ
અલ્લાહકી આયતોંસે ક્યૂં ફુફ કરતે હો હાલાંકે તુમ ખુદ ગવાહ હો. અય

الْكِتَابَ لِمَنْ تَلْبِسُونَ الْحَقَّ بِالْبَاطِلِ وَتَتَّبِعُونَ
 الْحَقَّ وَأَنْتُمْ تَعْلَمُونَ ۝ وَقَالَتْ طَافُفَةٌ مِنْ أَهْلِ
 الْكِتَابِ آمِنُوا بِالَّذِي أُنْزِلَ عَلَى الَّذِينَ آمَنُوا وَجِئَهُ
 الْبَاقَرُ وَالْمُرُفَأُ أَخْبَرَهُ لَهُمْ يَدْجِعُونَهُ ۝ وَلَا
 تُؤْمِنُوا إِلَّا لِمَنْ تَبِعَ دِينَكُمْ قُلْ إِنْ الْهَدَىٰ هَٰذِهِ
 اللَّهُ أَنْ يُؤْتِيَ أَحَدَ شَيْءٍ مِمَّا أَوْفَيْتُمْ أَوْ يُجَاجِلْكُمْ
 عَنْ دِينِكُمْ قُلْ إِنْ الْفَضْلُ بِيَدِ اللَّهِ يُؤْتِيهِ مَنْ
 يَشَاءُ وَاللَّهُ وَاسِعٌ عَلِيمٌ ۝ يُخْتَصُّ بِرَحْمَتِهِ مَنْ
 يَشَاءُ وَاللَّهُ ذُو الْفَضْلِ الْعَظِيمِ ۝ وَمِنْ أَهْلِ الْكِتَابِ
 مَنْ إِنْ تَأْمَنَهُ بِقِطَارٍ يُؤَدُّ إِلَيْكَ ۝ وَمِنْهُمْ مَنْ
 إِنْ تَأْمَنَهُ بِدِينَارٍ لَا يُؤَدُّ إِلَيْكَ إِلَّا مَا دُمْتَ
 عَلَيْهِ قَائِمًا ۝ ذَلِكَ بِأَنَّهُمْ قَالُوا لَيْسَ عَلَيْنَا فِي
 الْأُمِّيَّتِ سَبِيلٌ ۝ وَيَقُولُونَ عَلَى اللَّهِ الْكَذِبُ وَهُمْ

يُنْفِلُكَ

مَعَالِ

۵۱

કિતાબિ લિમા તલ્બિસૂનલ હક્કા બિલ
 કિતાબિયો ! હક મેં બાતિલ કયું મિલાતે હો
 બાતિલિ વ તફતુમૂનલ હક્કા વ અન્તુમ
 ઓર હક કયું છુપાતે હો હાલાંકે તુમ્હે
 તર-લમૂન ૦ વ ફાલત તાઘ-ફતુમ મિન
 ખબર છે. ઓર કિતાબિયોંકા એક ગિરોહ બોલા
 અહલિલ કિતાબિ આમિનૂ બિલ્લમી
 વો જો

ઉન્નિલા અલલ લમીના આ-મનૂ વજહન
 ઇમાનવાલોં પર ઉતરા સુબહ કો ઉસપર ઇમાન લાઓ
 નહારિ વફુરૂ આખિ-રહૂ લઅલ્લહુમ
 ઓર શામકો મુન્કિર હો જાઓ, શાયદ વો

યરજિઊન વલા તુર-મિનૂ ઘલ્લા લિ-મન તબિઆ દી-નકુમ ۝
 ફિર જાએ. ઓર યકીન ન લાઓ મગર ઉસકા જો તુમ્હારે દીનકા પૈર હો,

ફુલ ઇન્નલ હુદા હુદલાહિ ۝ અંયુ યુર-તો અ-હુદુમ
 તુમ ફરમા દો કે અલ્લાહ હી કી હિદાયત હિદાયત છે (યકીન કાહેકા ન લાઓ) ઇસકા કે કિસીકો મિલે

મિર્રલા મો ઊતીતુમ અવ્ યુહાજજૂકુમ ઇન્દા રઝિઝકુમ ۝
 જૈસા તુમ્હે મિલા, યા કોઈ તુમપર હુજજત લા સકે તુમ્હારે રબકે પાસ,

ફુલ ઇન્નલ ફદલા બિ-યદિલ્લાહ ૮ યુર-તીહિ મંયુ યશોઅ ۝ વલ્લાહુ
 તુમ ફરમા દો કે ફઝલ તો અલ્લાહ હી કે હાથ છે, જિસે યાહે દે, ઓર અલ્લાહ

વાસિઊન અલીમ ૭ યખ્તરસુ બિ-રહ-મતિહી મંયુ યશોઅ ۝ વલ્લાહુ
 વુસઅત વાલા ઇસ્મવાલા છે. અપની રહમત સે ખાસ કરતા છે જિસે યાહે, ઓર અલ્લાહ

મુલ ફદલિલ અમ્મીમ ૦ વ મિન અહલિલ કિતાબિ મન ઇન તર-મન્હુ
 બળે ફઝલ વાલા છે. ઓર કિતાબિયોંમેં કોઈ વો હૈ કે અગર તૂ ઉસકે પાસ

બિ-ફિન્તારિયુ યુઅદિહી ઇલેક ૮ વ મિન્હુમ મન ઇન તર-મન્હુ
 એક ઢેર અમાનત રખ્ખે તો વો તુમે અદા કર દેગા, ઓર ઉનમેં કોઈ વો હૈ કે અગર

બિ-દીનારિલ લા યુઅદિહી ઇલયકા ઇલ્લા મા દુમ્તા અલય્હિ
 એક અશરફી ઉસકે પાસ અમાનત રખ્ખે તો વો તુમે ફેરકર ન દેગા મગર જબતક તૂ ઉસકે સર પર

ફાઇમા ૭ મ્માલિકા બિ-અન્નહુમ ફાલૂ લય્સા અલય્ના
 બળા રહે, યે ઇસલિએ કે વો કેહતે હૈ

ફિલ ઉમ્મિયીના સબીલ ૮ વ યફૂલૂના અલલ્લાહિલ ફઝિબા વહુમ
 કે અનપખ્ખોંકે મુઆમલેમેં હમપર કોઈ મુઆખઝ નહીં, ઓર અલ્લાહ પર જાન બૂઝકર ઝૂટ બાંધતે હૈ.

يَعْلَمُونَ ۝ بَلَىٰ مَنْ أَوْفَىٰ بِعَهْدِهِ وَاتَّقَىٰ فَإِنَّ اللَّهَ
يُحِبُّ الْمُتَّقِينَ ۝ إِنَّ الَّذِينَ يَشْتَرُونَ بِعَهْدِ اللَّهِ
وَأَيْمَانِهِمْ ثَمًّا قَلِيلًا أُولَٰئِكَ لَا خَلَاقَ لَهُمْ فِي
الْآخِرَةِ وَلَا يُكَلِّمُهُمُ اللَّهُ وَلَا يَنْظُرُ إِلَيْهِمْ يَوْمَ
الْقِيَامَةِ وَلَا يُزَكِّيهِمْ وَلَهُمْ عَذَابٌ أَلِيمٌ ۝ وَإِنَّ
مِنْهُمْ لَفَرِيقًا يَلُونُ أَلْسِنَتَهُم بِالْكَيْتِ لِتَحْسَبُوهُ
مِنْ الْكَيْتِ وَمَا هُوَ مِنْ الْكَيْتِ وَيَقُولُونَ هُوَ مِنْ
عِنْدِ اللَّهِ وَمَا هُوَ مِنْ عِنْدِ اللَّهِ وَيَقُولُونَ عَلَى اللَّهِ
الْكَذِبَ وَهُمْ يَعْلَمُونَ ۝ مَا كَانَ لِبَشَرٍ أَنْ يُؤْتِيَهُ
اللَّهُ الْكِتَابَ وَالْحُكْمَ وَالنُّبُوَّةَ ثُمَّ يَقُولَ لِلنَّاسِ
كُونُوا عِبَادًا لِي مِنْ دُونِ اللَّهِ وَلَكِنْ كُونُوا رَبَّيْنَ
بِمَا كُنْتُمْ تَعْلَمُونَ الْكِتَابَ وَمَا كُنْتُمْ تَدْرُسُونَ ۝
وَلَا يَأْمُرُكُمْ أَنْ تَتَّخِذُوا الْمَلَائِكَةَ وَالنَّبِيِّينَ أَرْبَابًا ۝

यर-लमून ० जला मन अप्हा जि-

हां, क्यूनहीं, जिसने अपना अहद पूरा किया

अहदिही पत्तड़ा इ-धन्नल्लाहा युहिब्जुल

और परहेजगारी की, और बेशक परहेजगार अल्लाहको

मुत्तझीन ० धन्नल लज़ीना यशतरून।

पुश आते हैं।

जो

जि-अहदिल्लाहि व अय्मानिहिम

अल्लाहके अहद और अपनी कसमोंके बदले

सु-मनन इलीलन उलोयका ला

जलील दाम लेते हैं

जलाइ लहुम हिल आभि-रति पला

आभिरतमें उनका कुछ हिस्सा नहीं, और

युक्लिमुहुमुल्लाहु पला यन्जुरु धलय्हिम यप्-मल क्रिया-मति

अल्लाह न उनसे बात करे, न उनकी तरफ नज़र इरमाये कयामत के दिन

पला युक्-कीहिम ॥ व लहुम अज़ाबुन अलीम ० व धन्ना मिन्हुम

और न उन्हें पाक करे और उनके लिये दर्दनाक अज़ाब है। और उनमें

ल-इरीइय् यल्पूना अल्सि-न-तहुम जिल किताबि लि-तह-सब्जूह मिनल

कुछ वो हैं जो ज़बान इरेकर किताबमें मेल करते हैं के तुम समझो ये भी किताबमें है

किताबि वमा हुवा मिनल किताब ८ व यज़ूलूना हुवा मिन धन्दिल्लाहि

और वो किताबमें नहीं, और वो केहते हैं, ये अल्लाहके पाससे है

वमा हुवा मिन धन्दिल्लाह ८ व यज़ूलूना अलल्लाहिल कज़िमा

और वो अल्लाहके पाससे नहीं, और अल्लाह पर दीदा व दानिस्ता जूट बांधते हैं।

पहुम यर-लमून ० मा काना लि-ज-शरिन अय् युर-ति-यहुल्लाहुल

किसी आदमीका ये उक नहीं के अल्लाह उसे

किताबा पल हुक्मा वन्नुजुप्पता सुम्मा यज़ूला लिन्नासि इन्नू

किताब और हुक्म व पैगम्बरी दे फिर वो लोगोंसे कहे के

धजादल ली मिन दूनिल्लाहि व लाकिन इन्नू रब्बानिय्यीना जिमा

अल्लाहको छोड़कर मेरे बन्दे हो जाओ, हां, ये कहेगा के अल्लाहवाले हो जाओ इस सबब से के

कुन्तुम तुअलिमूनल किताबा व जिमा कुन्तुम तदरुसून ० पला

तुम किताब सिखाते हो और इससे के तुम दर्स करते हो। और न

यर-मु-रकुम अन तत्तज़िज़ुल मलाय-कता वन्नानिय्यीना अर्रबाजा ॥

तुम्हें ये हुक्म देगा के इरिशतों और पैगम्बरोंको भुटा ठेकरा लो,

أَيَا مَرْكُم بِالْكَفْرِ بَعْدَ إِذْ أَنْتُمْ مُسْلِمُونَ ۖ وَإِذْ أَخَذَ اللَّهُ مِيثَاقَ النَّبِيِّينَ لَمَا آتَيْتُكُمْ مِنْ كِتَابٍ وَحِكْمَةٍ ثُمَّ جَاءَكُمْ رَسُولٌ مُصَدِّقٌ لِمَا مَعَكُمْ لَتُؤْمِنُنَّ بِهِ وَلَتَنْصُرُنَّهُ ۚ قَالَ أَأَقْرَرْتُمْ وَأَخَذْتُمْ عَلَىٰ ذَٰلِكُمْ إِصْرِي ۚ قَالُوا أَقْرَرْنَا ۚ قَالَ فَاشْهَدُوا ۚ وَأَنَا مَعَكُمْ مِنَ الشَّاهِدِينَ ۚ فَمَنْ تَوَلَّىٰ بَعْدَ ذَٰلِكَ فَأُولَٰئِكَ هُمُ الْفَاسِقُونَ ۚ أَفَغَيَّرَ دِينَ اللَّهِ يَبْغُونَ ۚ وَلَئِذَا أَسْلَمَ مَنْ فِي السَّمُوتِ وَالْأَرْضِ طَوْعًا وَكَرْهًا وَإِلَيْهِ يُرْجَعُونَ ۚ قُلْ أَمَّا بِاللَّهِ وَمَا أُنْزِلَ عَلَيْنَا وَمَا أُنْزِلَ عَلَىٰ إِبْرَاهِيمَ وَإِسْمَاعِيلَ وَإِسْحَاقَ وَيَعْقُوبَ وَالْأَسْبَاطِ وَمَا أُوتِيَ مُوسَىٰ وَعِيسَىٰ وَالتَّيْيُونَ مِنْ رَبِّهِمْ ۚ لَا تَفَرِّقْ بَيْنَ أَحَدٍ مِنْهُمْ دُونَهُمْ ۚ لَهُ مُسْلِمُونَ ۚ وَمَنْ يَبْتَغِ غَيْرَ الْإِسْلَامِ

अ-य-मुसुम मिल कुहरि भर-दा धर
क्या तुम्हें कुछ का धुम देगा बाद इसके के
अन्तुम मुस्लिमून ० व धर अ-प्र-ल्लाहु
तुम मुसलमान हो लियो. और याद करो जब अल्लाहने
भीसाइन नभियीना लमा आतयुतुम
पै गम्बरोंसे उनका अहद लिया, जो मैं तुमको
मिन किताबिन् व हिक-मतल सुम्मा
किताब और हिकमत दूं फिर
अ-अ-रसूलुम मुसद्दिहुल लिमा
तशरीफ लाओ तुम्हारे पास वो रसूल के तुम्हारी किताबोंकी
म-अ-कुम ल-तु-मिनुन्ना मिही व
तसदीक करमाओ तो तुम जर जर उसपर धमान लाना

ल-तन्सुदुन्ना ७ फ़ाला अ-अ-र-र-तुम व अ-प्र-तुम अला
और जर जर उसकी मदद करना, करमाया, क्या तुमने धकार किया और इसपर मेरा भारी जिम्मा लिया?

मालिकुम धसरी ७ फ़ालू अ-र-र-ना ७ फ़ाला इरहदू व अना म-अ-कुम
सबने अर्की हमने धकार किया, करमाया, तो अक दूसरे परगवाह हो जाओ और मैं आप तुम्हारे साथ

मिनश शाहिदीन ० इ-मन तपल्ला भर-दा मालिका इ-उलाधका
गवाहोंमें हूं. तो जो कोई इसके बाद फिरे तो वोही

हुमुल फ़ासिकून ० अ-इ-ग़यरा दीनिल्लाहि यब्गूना व लहू अरलमा मन
लोग फ़ासिक हैं. तो क्या अल्लाहके दीन के सिवा और दीन चाहते हैं, और उसीके हुजूर गरदन रखे हैं

फ़िस समावाति वल अरदि तपअंप् व करहंप् व धलयहि युर-जड़िन ०
जो कोई आसमानों और जमीनमें हैं भुशीसे और मजबूरी से, और उसीकी तरफ़ फ़िरेंगे.

कुल आमन्ना मिल्लाहि वमो उन्जिला अलयना वमो उन्जिला अला
यूं कछो के हम धमान लाओ अल्लाह पर और उसपर जो हमारी तरफ़ उतरा और जो उतरा

धन्नाहीमा व धस्माधला व धरहाका व यर-फ़ूना वल अरजाति वमो
धन्नाहीम और धस्माधल और धसहाक और या'कूब और उनके बेटों पर और जो कुछ

उतिया मूसा व धसा वन्नभियूना मिर रजिहिम ७ ला नुहरिहु
मिला मूसा और धसा और अभिया को उनके रब से,

अयना अ-हदिम मिन्हुम ७ व नहनु लहू मुस्लिमून ० व मय् यत्तागि
हम उनमें किसीपर धमानमें फ़र्क नहीं करते और हम उसीके हुजूर गरदन रुकाओ हैं. और जो

غَيْرِ الْإِسْلَامِ دِينًا فَلَنْ يُقْبَلَ مِنْهُ ۚ وَهُوَ فِي الْآخِرَةِ
مِنَ الْخَسِرِينَ ۝ كَيْفَ يَهْدِي اللَّهُ قَوْمًا كَفَرُوا
بَعْدَ إِيمَانِهِمْ وَشَهِدُوا أَنَّ الرَّسُولَ حَقٌّ وَجَاءَهُمُ
الْبَيِّنَاتُ ۚ وَاللَّهُ لَا يَهْدِي الْقَوْمَ الظَّالِمِينَ ۝ أُولَٰئِكَ
جَزَاءُهُمْ أَنْ عَلَيَهُمْ لَعْنَةُ اللَّهِ وَالْمَلَائِكَةِ
وَالنَّاسِ أَجْمَعِينَ ۝ خَالِدِينَ فِيهَا لَا يَخْفَىٰ عَنْهُمْ
الْعَذَابُ وَلَا هُمْ يَنْظُرُونَ ۝ إِلَّا الَّذِينَ تَابُوا مِنْ
بَعْدِ ذَلِكَ وَأَصْلَحُوا ۚ فَإِنَّ اللَّهَ غَفُورٌ رَحِيمٌ ۝ إِنَّ
الَّذِينَ كَفَرُوا بَعْدَ إِيمَانِهِمْ ثُمَّ أَرَادُوا كُفْرًا لَّكَ
تُقْبَلُ تَوْبَتُهُمْ ۚ وَأُولَٰئِكَ هُمُ الصَّالُونَ ۝ إِنَّ
الَّذِينَ كَفَرُوا وَمَاتُوا وَهُمْ كُفَّارٌ فَلَنْ يُقْبَلَ مِنْ
أَحَدِهِمْ مِلَّةٌ إِلَّا الْأَمْرُ ۚ ذَمًّا وَلَوْ أَفْتَدَىٰ بِهِ ۚ
أُولَٰئِكَ لَهُمْ عَذَابٌ أَلِيمٌ ۚ وَمَا لَهُمْ مِنْ تَصْرِيحٍ ۝

ग़ालिमीन ० उलोयका ज़ाउहुम अन्ना अल्यहिम लरनतल्लाहि

अलिमको छिदायत नहीं करता. उनका बदला ये है के उनपर ला'नत है अल्लाह

पल मलोय-कति पन्नासि अजमर्धन ० ग़ालिमीना झीहा ८

और इरिशतों और आदमियों की सबकी. हमेशा उसमें रहें

ला युअर-इरु अन्हुमुल अज़ाबु पला हुम युन्नरून ०

न उनपरसे अज़ाब उल्का हो और न उन्हें मोहलत दी जाये.

धल्लल लज़ीना ताबू मिम अर-दि ग़ालिका प अरलहू ८ इ-धन्नल्लाहा

भगर जिन्होंने उसके बाद तौबा की और आपा संभाला तो ज़रूर अल्लाह

ग़रूर रहिम ० धन्नल लज़ीना इ-इरू अर-दा धमानिहिम सुम्मर्दाहू

अपशनेवाला मेहरबान है. बेशक वो जो ईमान लाकर काफ़िर हुआ फिर और कुछमें बण्डे

इर-रल लन तुज़ुलला तप्-अतुहुम ८ प उलोयका हुमुद दाल्लून ०

उनकी तौबा उरगिज़ कुबूल न होगी और वोही हैं बेषके हुआ.

धन्नल लज़ीना इ-इरू प मातू पहुम इर-इरुन इ-लंय युज़ुलला

वो जो काफ़िर हुआ और काफ़िर ही मरे

मिन अ-इदिहिम मिदिल अरदि ग़-हलंप् प लपिइ-तदा मिह ८

उनमें किसीसे ज़मीन भर सोना उरगिज़ कुबूल न किया जायेगा अगरये अपनी जुलासीको दे,

उलोयका लहुम अज़ाबुन अलीमुंप् पमा लहुम मिन नासिरीन ८

उनके लिये दर्दनाक अज़ाब है और उनका कोई पार नहीं.